

बॉर्डर न्यूज मिरर

“खबरों से समझौता नहीं”

पटना, वर्ष: 7 , अंक: 235 , गुरुवार, 08 अक्टूबर 2026 मूल्य: 5:00, पृष्ठ:8 9471060219, 9470050309  www. bordernewsmirror@gmail.com



रविसौल में इंडिया गठबंधन का प्रदर्शन, चुनाव आयोग के खिलाफ जताया आक्रोश



पीएचडी उपाधि हासिल करने पर डॉ. राजू बैठा सम्मानित



दृश्यम 3 की धाकड़ कमाई से थरथा बॉक्स ऑफिस, 200 करोड़ कमाने...



07

2026 का केमिस्ट्री नोबेल फ्रांस-जापान के वैज्ञानिकों को मिला

● अणुओं के मिरर इमेज की 100 साल पुरानी गुत्थी सुलझाई

स्टॉकहोम (एजेंसी)। 2026 का केमिस्ट्री नोबेल पुरस्कार फ्रांस के वैज्ञानिक हेनरी बी. कागन और जापान के केन्सो सोआई को दिया गया है। दोनों वैज्ञानिकों ने रसायन विज्ञान की करीब 100 साल पुरानी गुत्थी सुलझाई है। हेनरी बी. कागन और केन्सो सोआई ने यह समझाने में बड़ी मदद की कि मिरर इमेज जैसे दिखने वाले दो अणुओं में से सिर्फ एक को कैसे बनाया जा सकता



हेनरी बी. कागन केन्सो सोआई

सोआई ने ऐसा अणु बनाया, जो अपने जैसे अणु बनाता था इसके बाद केन्सो सोआई ने कागन के काम को आगे बढ़ाया। उन्होंने 5-पाइरिमिडिल एल्केनॉल नाम के एक रासायनिक पदार्थ पर प्रयोग किया। उन्होंने ऐसी प्रक्रिया बनाई, जिसमें एक तरह का अणु बनने के बाद वह अपने जैसे दूसरे अणु बनने में मदद करता था। इसे ऐसे समझिए- शुरुआत में अगर किसी एक तरह के अणु थोड़े ज्यादा बन गए, तो वही अणु आगे और अपने जैसे अणु बनाने में मदद करने लगे।

भारतीय नाविकों वाले जहाज पर 48 घंटे में तीसरा हमला

● ब्लैक सी में 2 हमले, यूक्रेनी ड्रोन तेल टैंकर से टकराया, हेर्मुज में भी 1 जहाज पर अटैक



आसमान काले धुएं से ढक गया है। माना जा रहा है कि यह हमला यूक्रेन की तरफ से किया गया। बीते 48 घंटे में यह तीसरा बार है जब भारतीय नाविकों वाले जहाजों को निशाना बनाया गया है।

मास्को (एजेंसी)। रूस के ब्लैक सी तट के पास एक तेल टैंकर पर समुद्री ड्रोन से हमला किया गया। हमले के बाद टैंकर में आग लग गई। टैंकर पर 23 लोगों का कू था। सभी भारतीय नागरिक थे और उन्हें सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया। रूस के परिवहन मंत्रालय के मुताबिक, लाइबेरिया के झंडे वाले इस टैंकर पर हमले के बाद ब्लैक सी के पानी में कच्चा तेल जला। इससे रूस के रिसॉर्ट शहर सोची के कुछ हिस्सों में आसमान काले धुएं से ढक गया है। माना जा रहा है कि यह हमला यूक्रेन की तरफ से किया गया। बीते 48 घंटे में यह तीसरा बार है जब भारतीय नाविकों वाले जहाजों को निशाना बनाया गया है।

सुप्रीम कोर्ट में तीन नए जजों ने ली पद की शपथ

● सुनीता अग्रवाल बनीं 13वीं महिला जस्टिस, 37 हुई न्यायाधीशों संख्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को तीन नए जजों ने शपथ ली। इसके साथ ही देश की सबसे बड़ी अदालत में जजों की कार्यरत संख्या 37 हो गई, बता दें कि एससी में स्वीकृत क्षमता 38 जजों की है। यानी अब सुप्रीम कोर्ट में सिर्फ एक पद खाली है। जस्टिस सुनीता अग्रवाल, जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस अपरेश कुमार सिंह ने सोजेआई सूर्यकांत के सामने पद की शपथ ली। तीनों ने ईश्वर के नाम पर शपथ ली। इन तीन नियुक्तियों की खास बात यह भी है कि तीनों जज सुप्रीम कोर्ट आने से पहले अलग-अलग हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस थे। जस्टिस सुनीता अग्रवाल गुजरात हाईकोर्ट की चीफ जस्टिस थीं।

पहली बार दोपहर में हुआ शपथ समारोह

इस बार शपथ समारोह भी खास रहा। सुप्रीम कोर्ट में आम तौर पर नए जजों को सुबह करीब 10.30 बजे शपथ दिलाई जाती है। मंगलवार को तीनों जजों का शपथ समारोह दोपहर 3.30 बजे रखा गया। उपलब्ध रिपोर्टों के मुताबिक, 1950 में सुप्रीम कोर्ट की स्थापना के बाद यह पहली बार था जब नए जजों का शपथ समारोह दोपहर में हुआ। जस्टिस सुनीता अग्रवाल के सुप्रीम कोर्ट पहुंचने से शीर्ष अदालत में महिला जजों की संख्या तीन हो गई है।

संक्षिप्त समाचार

मिशन यूपी की लड़ाई फिर 80-20 पर आ गई

● सीएम योगी ने कर दी यूपी चुनाव पर बड़ी भविष्यवाणी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश से राज्यसभा की 10 सीटों के लिए होने वाले चुनाव की तस्वीर अब पूरी तरह से साफ हो गई है। बीजेपी ने 8 और सपा ने 2 उम्मीदवारों का नामांकन कराया है। सभी 10 उम्मीदवारों का निर्विरोध राज्यसभा जाना भी तय हो गया है। पहले कयास लगाए जा रहे थे कि समाजवादी पार्टी अपनी तरफ से तीसरा उम्मीदवार



उतारेगी और 10वीं सीट पर कुछ चौंकाने वाला मुकाबला देखने को मिल सकता है। लेकिन, मंगलवार को साफ हो गया कि सपा तीसरा उम्मीदवार नहीं उतारेगी। राज्यसभा चुनाव की इसी गहमागहमी के बीच सीएम योगी आदित्यनाथ ने यूपी चुनाव पर एक बड़ी भविष्यवाणी कर दी है। लखनऊ में आयोजित सेवा ज्योति यात्रा-विकसित भारत संकल्प सभा कार्यक्रम में अपने संबोधन में सीएम योगी ने कहा, उत्तर प्रदेश के राज्यसभा के चुनाव ने बता दिया है कि विधानसभा चुनाव का परिणाम क्या होने जा रहा है। ये लड़ाई 80-20 की फिर आ गई है। 180 फीसदी एनडीए में और 20 फीसदी पीडीए में... और पीडीए का क्या हाल होने वाला है, ये आपके सामने फिर से आने वाला है। सीएम योगी ने अपने भाषण में राज्यसभा चुनाव की तर्ज पर ही विधानसभा की बात की।

पश्चिम बंगाल का नाम बदलकर होगा पश्चिम बंग।

● शमिक भट्टाचार्य बोले-बिल लेकर आ रही सरकार

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल बीजेपी अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने बुधवार को कहा कि राज्य का नाम बदलकर पश्चिम बंग किया जाएगा और इसके लिए विधानसभा के पहले सत्र में एक बिल पेश किया जाएगा। नाम बदलने के बारे में दोबारा पूछे जाने पर न्यूज एजेंसी ने उनके हवाले से कहा, भाई, मुझे



कितनी बार कहना होगा। नाम पश्चिम बंग ही होगा। उन्होंने इस हफ्ते की शुरुआत में ही संकेत दिया था कि नाम बदलने की प्रक्रिया जल्द ही पूरी होने वाली है। उन्होंने कहा था कि पश्चिम बंग, बांग्ला और बंगा जैसे नामों का इस्तेमाल अब नहीं किया जाएगा। भट्टाचार्य ने सोमवार को कहा था, हां, बिल्कुल। पश्चिम बंग भवन... पश्चिम बंगाल का पश्चिम... अब आपको लंबे समय तक पश्चिम बंग, बांग्ला या बंगा जैसे नाम सुनने को नहीं मिलेंगे। पश्चिम बंग नाम आ रहा है। प्रस्तावित कानूनी कदम के बारे में बताते हुए बीजेपी के राज्य प्रमुख ने कहा कि इस बिल का मकसद राज्य के आधिकारिक नाम को उसकी ऐतिहासिक पहचान से जोड़ना है। उन्होंने कहा, बहुत जल्द पहले ही सत्र में हमारी सरकार एक बिल पेश करने जा रही है ताकि इस राज्य का नाम राज्य के इतिहास से गहराई से जुड़ा रहे और यही इसकी पहचान बनी रहे।

महंगाई बढ़ी कर्ज लेना और चुकाना भी महंगा

● आरबीआई की चेतावनी-आगे कीमतें और भी बढ़ेंगी ● इससे फेस्टिव सीजन में खरीदारी कम होने का अंदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। महंगाई बढ़ गई है, यह और बढ़ने वाली है, यह तय है। साथ में बैंकों से कर्ज लेना भी महंगा होने वाला है। ये बातें रिजर्व बैंक, यानी आरबीआई की हैं। इसके चलते आरबीआई को फरवरी 2023, यानी करीब 4 साल बाद रेपो रेट बढ़ाना पड़ा है। रेपो रेट 5.25 से बढ़ाकर 5.50 फीसदी कर दिया है। अब ये क्यों किया, इसे समझने के लिए सबसे पहले रेपो रेट समझना



● फिलहाल ब्याज दरें घटने का रास्ता बंद- आरबीआई ने अपना रुख बदलकर ‘कैलिब्रेटेड टाइटनिंग’ कर दिया है। यानी, फिलहाल ब्याज दरों में कटौती का रास्ता पूरी तरह से बंद हो चुका है। आने वाली बैठकों में रिजर्व बैंक या तो दरों को जैसा है वैसा ही रखेगा, या फिर जरूरत पड़ने पर इन्हें और बढ़ा सकता है। रेलिगेयर ब्रोकिंग के अजीत मिश्रा का कहना है कि 0.25 फीसदी की यह बढ़ोतरी तो उम्मीद के मुताबिक ही थी, लेकिन असली बात नीति में हुआ बदलाव है। इससे साफ जाहिर होता है कि रिजर्व बैंक के लिए अब सबसे पहला काम महंगाई पर काबू पाना है। कोटक महिंद्रा बैंक की चीफ इकोनॉमिस्ट उपासना भारद्वाज का मानना है कि आने वाले समय में ब्याज दरों में 0.25 से 0.50 फीसदी की और बढ़ोतरी हो सकती है। डीबीएस बैंक की सीनियर इकोनॉमिस्ट राधिका राव का कहना है कि रिजर्व बैंक का यह कदम दिखाता है कि वह महंगाई के खतरे को वक्त रहते ही पूरी तरह से दबा देना चाहता है, ताकि यह आगे जाकर अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी मुसीबत न बने।

जरूरी है। रेपो रेट वो ब्याज दर है जिस पर बैंक आरबीआई से कर्ज लेता है। फॉर्मूला ये है कि रिजर्व बैंक महंगा कर्ज बैंकों को देगा तो बैंक लोगों को और महंगा कर्ज देंगे। इससे लोग कम कर्ज लेंगे और खर्च भी कम करेंगे। मांग कम होने से महंगाई काबू में रहेगी। आरबीआई ने महंगाई का अनुमान भी बढ़ाया है। अब 2026-27 में महंगाई दर 5.2 रहने का अनुमान है।

भारत के विकसित होने तक न थकूंगा, न ही रुकूंगा

● पीएम बोले-‘मैं महत्वाकांक्षा नहीं, मिशन के लिए जीता हूं ● पीएम मोदी 50 मिनट में 19 बार बोले-वी विल डू इट ● बतौर पीएम-सीएम 25 साल किए पूरे

नई दिल्ली/वडनगर (एजेंसी)। ‘वी विल डू इट... हम करके दिखाएंगे। पीएम मोदी ने बुधवार को अपने सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में इस नारे का 19 बार जिक्र किया। उन्होंने एक घंटे की स्पीच में कहा, जब तक भारत विकसित नहीं होता, तब तक न थकूंगा, न रुकूंगा।’ उन्होंने कहा, ‘मैं महत्वाकांक्षा नहीं, मिशन के लिए जीता हूं। जिसने मुझे गिराया, उसी ने खड़ा होना सिखाया। जिसने मेरा विरोध किया, उसने लोकतंत्र की शक्ति समझाई।’ उन्होंने कहा कि 25 साल पीछे मुड़कर देखने पर उपलब्धियों से ज्यादा कृतज्ञता का भाव आता है। हर घटना ने कुछ सिखाया और नम्र होना सिखाया। ईश्वर से यही मांगा कि सीखने की इच्छा कभी कम न हो।

● 25 साल में देश कहां पहुंचा, यह देखना जरूरी - मोदी ने कहा, हमने इस राष्ट्र में जन्म लिया है, ये एहसास ही अमृत है। इसके सामने सत्ता सुख कुछ नहीं है। पद-प्रतिष्ठा तो कहीं भी मिल सकती है, लेकिन भारत जैसी पुण्यभूमि नहीं मिलेगी। 25 सालों का आकलन इससे नहीं होगा कि मैं कहां पहुंचा, बल्कि इससे होगा कि मेरा देश कहां पहुंचा। ● मोदी बोले - ये समय आराम का नहीं है- पीएम ने कहा, हर चीज में भारत सिरमौर है। टेक्नोलॉजी, खेल, उद्योग में भारत का तिरंगा लहराए। आज पूरे विश्व में भारत के पायलट की चर्चा है। एक दिन वो भी आएगा, जब दुनिया में ड्रोन इंडिया प्लेन की चर्चा करेगी।



● कई विभीषिकाएं, लेकिन कभी साहस नहीं टूटा- पीएम ने कहा, हमारे दिल की हर धड़कन में क्या एक ही संकल्प नहीं गुंजना चाहिए कि हमें प्राचीन भारत के गौरव को पुनर्जीवित करना है। कभी भारत विश्व की अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करता था। समय का चक्र बदला, गुलामी का कालखंड आया, भारत को लूटकर तबाह कर दिया गया। जो भारत दुनिया को दिशा दिखाता था, उसके पुस्तकालय जला दिए गए। छोटे-छोटे संकट विकराल होने लगे। अकाल, कई विभीषिकाएं, लेकिन तब भी मां भारती की संतानों का साहस नहीं टूटा। पीएम मोदी ने कहा, आज मेड इन इंडिया फोन का जलवा है।

● 2014 में देश निराशा में डूबा था, कई चुनौतियां थीं- पीएम मोदी ने कहा, जब गुजरात पहुंचा तो प्रशासनिक व्यवस्था का ज्यादा ज्ञान नहीं था, तब सिर्फ जनशक्ति का भरोसा था। इसी विश्वास को मैंने अपना सामर्थ्य बनाया। मैंने जनता को साथ लेकर निर्णय लिए, नीतियां बनाई और इन्हें लागू किया। यही मंत्र- वी विल डू इट...जब जनता साथ हो तो परिणाम ही आते हैं। गुजरात ने करके दिखाया। पीएम मोदी ने कहा, तब विकराल चुनौतियां मुंह बाए खड़ी थीं। देश का हर नागरिक नया रास्ता खोज रहा था। भारत की इकोनॉमी को लेकर दुनिया कहने लगी थी- इट्स अ गॉर्न केस। तब कोई ज्योत दिखती नहीं थी।

कैप्टन मच्छार के साहस पर फिदा हुए संघ चीफ भागवत

● 18 दिन में दूसरी बार अहंकार पर बोले, कहा-घमंड त्यागें



बालाघाट (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने एक बार फिर समाज को आईना दिखाते हुए अहंकार त्यागने और वंचितों के कल्याण पर जोर दिया है। मध्य प्रदेश के बालाघाट के आदिवासी अंचल में दिए गए उनके

मच्छार के साहस की सराहना भी की। संघ प्रमुख ने मंगलवार को बालाघाट के दौरे के दौरान समाज सेवा और जमीनी हकीकत से जुड़े कई अहम मुद्दों पर बात की। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि समाज सेवा करने वाले लोगों को सबसे पहले अपने भीतर का अहंकार छोड़ना होगा। लंबे समय से गरीबी और अभावों का सामना कर रहे वंचित वर्ग के लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं और रोजगार के साधन उपलब्ध करवाकर उन्हें आत्मनिर्भर और सक्षम बनाया जाना चाहिए। इससे पहले 18 सितंबर को उज्जैन की युवा धर्म संसद में भी मोहन भागवत ने इसी विषय पर तीखी बात रखी थी।

भाऊराव देवरसका प्रसंग सुनाया

अपने संबोधन के दौरान संघ प्रमुख ने एक पुराना प्रसंग भी साझा किया। उन्होंने बताया कि धर्मांतरण के दौर में जब परिस्थितियां बेहद कठिन थीं, तब भाऊराव देवरस से एक गांव के अशिक्षित बुजुर्ग मुखिया ने बहुत ही गहरी बात कही थी। गांव के मुखिया की वह सीख : हमने बेहद कठिन परिस्थितियों में भी अपना धर्म बचाए रखा है। हमें धर्म बचाने के लिए उपदेशों की नहीं, बल्कि बच्चों के लिए शिक्षा और मलेरिया की दवा की जरूरत है। हमारी बुनियादी कमजोरियां दूर कर दीजिए, धर्म हम खुद संभाल लेंगे। समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति की मूलभूत जरूरतें पूरी करना और उन्हें सशक्त बनाना ही सबसे बड़ा मानवीय और राष्ट्रीय कर्तव्य है। कार्यक्रम के दौरान संघ प्रमुख ने पलायदुर्बर्ग की उड़ान में तकनीकी संकट के बीच अपनी सुझबुझ और बहादुरी से 170 यात्रियों की जान बचाने वाले कैप्टन स्मिथ मच्छार के साहस की भी खुले दिल से सराहना की।

जेल से ही बीमार दादी को वीडियो कॉल करेगा अमृतपाल

● अमृतसर की कोर्ट ने दी 10 मिनट बात करने की इजाजत

अमृतसर (एजेंसी)। जिला अदालत ने खडूर साहिब के सांसद और वारिस पंजाब दे के नेता अमृतपाल सिंह को अपनी बीमार दादी से 10 मिनट की वीडियो कॉल पर बात करने की इजाजत दी है। वर्तमान में अमृतपाल सिंह असम की डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल में बंद हैं।



अमृतपाल के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश बरिंदर सिंह ने अमृतपाल के वकीलों की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। अमृतपाल सिंह की ओर से पेश उनके वकीलों ने अदालत में याचिका दायर की थी और उनकी दादी की बीमारी को देखते हुए अदालत से वीडियो कॉल के जरिए उनसे बातचीत करने की अनुमति मांगी थी। अमृतपाल के वकीलों ने कोर्ट में एक अर्जी दाखिल करके उसकी बीमार दादी से बात करने की इजाजत मांगी थी। अर्जी में परिवार के हालात का जिक्र करते हुए कहा गया कि जेल में होने की वजह से अमृतपाल अपनी दादी से मिल नहीं पा रहा है।

संक्षिप्त

समाचार

त्योहारों से पहले हाजीपुर स्टेशन की सुरक्षा जांची, रेल एसपी ने सीसीटीवी से निगरानी बढ़ाने को कहा

हाजीपुर। आने वाले पर्व को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में यात्रियों की सुरक्षा को लेकर तैयारी तेज कर दी है। बुधवार को रेल पुलिस अधीक्षक बीना कुमारी ने हाजीपुर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पुलिस अधीक्षक ने RPF पोस्ट हाजीपुर के CCTV कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कैमरों से निगरानी की व्यवस्था देखी और सुरक्षा के लिए CCTV के सही इस्तेमाल पर जोर दिया।
भीड़ बढ़ने की स्थिति में निगरानी व्यवस्था सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए। इसके बाद RPF पोस्ट हाजीपुर में समन्वय बैठक हुई। इसमें रेल निरीक्षक सुमन कुमार, GRP थाना प्रभारी जोगेंद्र कुमार और RPF के उप निरीक्षक राकेश कुमार शामिल हुए। बैठक में यात्रियों की सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण, संदिग्धों पर नजर रखने और आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई को लेकर चर्चा हुई। पुलिस अधीक्षक ने RPF और GRP के बीच बेहतर तालमेल बनाए रखने पर जोर दिया, ताकि यात्रियों को सुरक्षित यात्रा उपलब्ध कराई जा सके।

फरवक्का जल संधि पर नीतीश संवाद शुरू, निशांत कुमार, संजय झा और उमेश कुशवाहा समेत कई नेता पहुंचे

हाजीपुर। फरक्का बराज और गंगा जल बंटवारे के मुद्दे को लेकर हाजीपुर के हिलातपुर में आयोजित ‘फरक्का जल संधि पर नीतीश संवाद’ कार्यक्रम में शामिल होने के लिए निशांत कुमार कार्यक्रम स्थल पहुंच गए हैं। उनके साथ राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा, जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा समेत क्षेत्रीय विधायक और पार्टी के अन्य नेता भी मौजूद हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जदयू कार्यकर्ताओं और नेताओं के पहुंचने की संभावना है। यह कार्यक्रम जनता दल यूनाइटेड की ओर से फरक्का बराज, गंगा जल बंटवारे और बिहार की दीर्घकालिक जल जरूरतों से जुड़े मुद्दों को लेकर आयोजित किया जा रहा है। पार्टी की ओर से बिहार के गंगा किनारे बसे 12 जिलों में इस तरह के संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जदयू का कहना है कि फरक्का बराज और जल बंटवारे की व्यवस्था का बिहार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। पार्टी का दावा है कि बराज के कारण गंगा में गाद जमा होने और नदी के प्राकृतिक प्रवाह में बदलाव से बिहार के कई हिस्सों में बाढ़ की समस्या बढ़ी है। साथ ही जल बंटवारे से बिहार की सिंचाई, पेयजल और औद्योगिक जरूरतों पर असर पड़ने की बात भी पार्टी की ओर से कही जाती रही है। हालांकि, फरक्का बराज और बिहार में बाढ़ के बीच संबंध को लेकर विशेषज्ञों के अलग-अलग मत हैं। बिहार में बाढ़ की स्थिति पर गंगा के साथ उसकी सहायक नदियों भारी बारिश, नदी की धारा में बदलाव और नेपाल से आने वाले पानी समेत कई कारकों का प्रभाव पड़ता है। इसलिए बिहार की बाढ़ के लिए केवल फरक्का बराज को जिम्मेदार ठहराना एक सर्वमन्य निष्कर्ष नहीं है। 1996 की संधि में फरक्का पर उपलब्ध और प्रवाह के आधार पर भारत और बांग्लादेश के बीच पानी के बंटवारे की व्यवस्था तय की गई है। इसमें 10 दिन की अवधि के आधार पर जल प्रवाह का आकलन कर दोनों देशों के हिस्से निर्धारित किए जाते हैं। ऐसे में यह कहना कि बिहार से सीधे एक निश्चित मात्रा में पानी बांग्लादेश भेजा जाता है, संधि की वास्तविक व्यवस्था को पूरी तरह नहीं दर्शाता।

वैशाली के आर्मी जवान सोनू कुमार का कोलकाता में निधन, 2006 में सेना में हुए थे भर्ती

हाजीपुर। वैशाली के महुआ थाना क्षेत्र के मोहनपुर गांव निवासी आर्मी जवान सोनू कुमार का कोलकाता कमांड हॉस्पिटल में इलाज के दौरान निधन हो गया। खबर मिलते ही गांव में शोक छा गया। उनका पार्थिव शरीर बुधवार सुबह 10 बजे सैनिक सम्मान के साथ मोहनपुर गांव पहुंचा। शव को देखकर मृतक की मां वीणा देवी, पत्नी माला कुमारी, दोनों मासूम बच्चे अर्नव और लड्डू, भाई दिलीप सहित पूरे गांव की आंखों से आंसू छलक पड़े। ग्रामीणों ने नम आंखों से अपने लाल को अंतिम विदाई दी। वहीं, अंतिम यात्रा में हजारों ग्रामीण शामिल हुए। भारत माता की जय और सोनू कुमार अमर रहे के नारों से पूरा माहौल देशभक्ति से गुंज उठा। दोपहर करीब 1 बजे हाजीपुर के कोनहारा घाट पर पूरे सैनिक सम्मान के साथ आर्मी जवान सोनू कुमार का अंतिम संस्कार होगा। परिजनों के अनुसार, सोनू कुमार साल 2006 में दानापुर कैंट में सेना में भर्ती हुए थे। वह दो भाइयों में छोटे थे। उनके पिता रत्नेश प्रसाद सिंह का तीन साल पहले निधन हो चुका है। उनकी मां का नाम बिना देवी है। सोनू की शादी 2011 में चांदपुर थाना क्षेत्र के कुबतपुर निवासी पूर्व फौजी राजनारायण सिंह की बेटी माला कुमारी से हुई थी। उनके दो बेटे हैं, बड़ा बेटा अर्णव करीब 12 साल का है, जबकि छोटा बेटा लड्डू करीब 3 साल का है। सोनू कुमार के बड़े भाई दिलीप कुमार सिंह, चाचा विमल सिंह, ओमप्रकाश सिंह और उनके दोस्त राकेश कुमार मुन्ना ने बताया कि सोनू बेहद मिलनसार स्वभाव के थे। उनके निधन के बाद से मोहनपुर गांव में मातम का माहौल है।

आरोपी के वैरिफिकेशन के समय 4 जवान घायल, 3 संदिग्ध हिरासत में

हाजीपुर। बिदुपुर थाना क्षेत्र के भैरोपुर चौक पर आरोपी के सत्यापन के लिए पहुंची एसटीएफ टीम पर स्थानीय लोगों के हमले में चार जवान घायल हो गए। पुलिस ने तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया। दरअसल, भैरोपुर चौक पर दो पक्षों के बीच विवाद चल रहा था। सिविल ड्रेस में पहुंची एसटीएफ टीम को देखकर एक पक्ष के लोगों ने उन्हें दूसरा पक्ष समझकर मारपीट शुरू कर दी। भीड़ ने जवानों से हथियार छीनने की कोशिश की। घायल जवानों में नरेंद्र कुमार, अमर कुमार, मुकेश कुमार और लक्ष्मण कुमार शामिल हैं। सभी को बिदुपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किया गया। सूचना पर बिदुपुर पुलिस, एसडीपीओ सुबोध कुमार और एसटीएफ डीएसपी दीपक कुमार मौके पर पहुंचे। एसएसपी शुभांक मिश्रा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। एसटीएफ टीम 25 हजार के इनामी बदमाश दीवानी सिंह के सत्यापन के लिए पहुंची थी। जांच जारी है।



हाजीपुर। बिदुपुर थाना क्षेत्र के भैरोपुर चौक पर आरोपी के सत्यापन के लिए पहुंची एसटीएफ टीम पर स्थानीय लोगों के हमले में चार जवान घायल हो गए। पुलिस ने तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया। दरअसल, भैरोपुर चौक पर दो पक्षों के बीच विवाद चल रहा था। सिविल ड्रेस में पहुंची एसटीएफ टीम को देखकर एक पक्ष के लोगों ने उन्हें दूसरा पक्ष समझकर मारपीट शुरू कर दी। भीड़ ने जवानों से हथियार छीनने की कोशिश की। घायल जवानों में नरेंद्र कुमार, अमर कुमार, मुकेश कुमार और लक्ष्मण कुमार शामिल हैं। सभी को बिदुपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किया गया। सूचना पर बिदुपुर पुलिस, एसडीपीओ सुबोध कुमार और एसटीएफ डीएसपी दीपक कुमार मौके पर पहुंचे। एसएसपी शुभांक मिश्रा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। एसटीएफ टीम 25 हजार के इनामी बदमाश दीवानी सिंह के सत्यापन के लिए पहुंची थी। जांच जारी है।

नीतीश कुमार सोनिया गांधी के सर्टिफिकेट के मोहताज़ नहीं: ललन सिंह

पटना। केन्द्रीय मंत्री ललन सिंह ने कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी पर हमला बोला है। बुधवार को बयान जारी कर ललन सिंह ने कहा कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में सोनिया गांधी ने नीतीश कुमार पर आपत्तिजनक टिप्पणी की। मुझे इस टिप्पणी का परिाश्रय होता है। उन्होंने नीतीश कुमार सोनिया गांधी के सर्टिफिकेट के मोहताज़ नहीं है। उन्हें लोग प्यार से विकास पुरुष कहते हैं। उन्होंने 20 साल के शासनकाल में बिहार की तस्वीर और तकदीर बदल दी है। उन्होंने कहा कि आईएनडीआई गठबंधन की बैठक में बाद लोकतंत्र बचाने की बात हुई। यह हास्यास्पद है कि आपातकाल के जरिये देश के लोकतंत्र को तहस-नहस करने वाली कांग्रेस पार्टी आज लोकतंत्र की बात कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने देश में लोकतंत्र स्थापित किया है और हम विकसित व आर्थिकभर्र भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं। यह बात कांग्रेस के समझ से आयेनि है।

गैस सिलेंडर ब्लास्ट से महिला की मौत, तीन बच्चियां घायल

एजेंसी, पटना

पटना के फुलवारी शरीफ में घर में सिलेंडर ब्लास्ट होने से एक महिला की मौत हो गई। हादसे में तीन बच्चियां भी घायल हो गईं। घटना फुलवारी शरीफ के ईसापुर इलाके की है। बताया जा रहा है कि बुधवार दोपहर महिला खाना बनाने के लिए गैस चूल्हा जलाने गई थी। जैसे ही उसने चूल्हा जलाया, सिलेंडर में आग लग गई और तेज धमाके के साथ ब्लास्ट हो गया।

धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने और घर में फंसे लोगों को बाहर निकालने की कोशिश की। हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, घायल तीनो बच्चियों को आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया। मृतक महिला की पहचान 45 साल की रहाना खातून के रूप में हुई है।

दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं: स्थानीय लोगों से सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। स्थानीय लोगों की मदद से फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पा



लिया। पुलिस और दमकल कर्मी हादसे की वजह की जांच कर रहे हैं। मोहल्ले के लोगों ने बताया कि मो. शहाब के मकान में खाना बनाने वाले गैस सिलेंडर में ब्लास्ट हुआ था। इसके बाद मकान में भीषण आग लग गई। हादसे में किरायेदार मो. मन्नान की पत्नी रहाना खातून की जलने से मौत हो गई। बताया गया कि आग की लपटों में धिरने के कारण रहाना को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। मो. मन्नान ने पत्नी को बचाने की कोशिश की, इस दौरान उसका हाथ भी झुलस गया।

खाना बनाने के दौरान सिलेंडर हुआ ब्लास्ट: पड़ोस की एक महिला ने बताया कि

रूफटॉप सोलर को बढ़ावा देने के लिए वार्षिक अतिरिक्त सौर बिजली पर भी मिलेगा उपभोक्ताओं को लाभ

एजेंसी, पटना

नेट मीटरिंग व्यवस्था में उपभोक्ता अपने घर पर लगे सोलर प्लांट से बिजली बनाता है। पहले इस बिजली का उपयोग उसके घर की जरूरत के लिए होता है। इसके बाद यदि कुछ बिजली बच जाती है, तो वह बिजली ग्रिड में चली जाती है। इस अतिरिक्त बिजली का समायोजन हर महीने के बिजली बिल में किया जाता है।

यदि किसी महीने सोलर से बनी बिजली खपत से अधिक होती है, तो बची हुई बिजली का लाभ अगले महीने में ले जाया जाता है। इस तरह उपभोक्ता की अतिरिक्त बिजली अगले महीनों की खपत के साथ समायोजित होती रहती है। लेकिन वित्तीय वर्ष के अंत में जो अतिरिक्त बिजली बच जाती है, उसका क्रेडिट वर्तमान व्यवस्था में समाप्त हो जाता है। उपभोक्ताओं को उनकी अतिरिक्त सौर बिजली का लाभ मिल सके और बिहार में सोलर को और बढ़ावा मिल सके, इसके लिए ऊर्जा

विभाग ने बिहार विद्युत विनियामक आयोग (बीआईआरसी) से इस संबंध में आवश्यक प्रावधान करने का अनुरोध किया है। प्रस्ताव है कि वित्तीय वर्ष के अंत में उपभोक्ता के खाते में बची अतिरिक्त बिजली ऊर्जा विभाग द्वारा खरीदी जाएगी। इससे उपभोक्ता को अपनी अतिरिक्त उत्पादित बिजली का भी आर्थिक लाभ मिल सकेगा।

इससे लोगों को अपने घरों पर रूफटॉप सोलर लगाने के लिए और प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही, जिन उपभोक्ताओं ने पहले से सोलर प्लांट लगा रखा है, उन्हें भी अपनी अतिरिक्त बिजली के लिए उचित लाभ मिल सकेगा। इससे राज्य में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाने और पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना के लक्ष्य को पूरा करने में मदद मिलेगी। इसी तरह पीएम-कुसुम योजना के तहत किसान भी सोलर प्लांट लगाकर बिजली का उत्पादन कर रहे हैं। इन सोलर प्लांटों से उत्पादित बिजली की खरीद ऊर्जा विभाग द्वारा की जा रही है।

ललन ने समझाया, अनंत नहीं माने, कहा-अनुज को जिताना है, जनसुराज कैंडिडेट के लिए फिर रोड शो

एजेंसी, पटना

जदयू विधायक अनंत सिंह और नीरज कुमार के बीच चल रहा विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। ललन सिंह ने 5 अक्टूबर को कहा था, उनकी अनंत सिंह से बात हो गई है। अब वो इस विवाद को लेकर कोई सार्वजनिक बयान नहीं देंगे। 48 घंटे बाद ही अनंत सिंह ने पीके के कैंडिडेट अनुज सिंह को जिताने की अपील की है। अनुज सिंह की जीत पक्की करने के लिए अनंत सिंह ने आज पटना से बख्तियारपुर तक रोड शो किया है। आज अनंत सिंह ने फतुहा में जन सुराज पार्टी के प्रत्याशी अनुज कुमार सिंह के समर्थन में एक रोड शो किया। यह रोड शो महारानी चौक से शुरू होकर चौराहा होते हुए दरियापुर से आगे बढ़ा और बख्तियापुर में खत्म हुआ। इस दौरान रास्ते में कई जगहों पर उनका जोरदार स्वागत हुआ। उनके साथ भारी संख्या में समर्थक मौजूद रहे। उन्होंने कहा, ‘आप लोग जब भी बुलाएंगे, हम हमेशा हाजिर रहेंगे’।

नीतीश के घर पर फिर हुई बैठक: एमएलसी चुनाव को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के घर पर आज फिर से बैठक हुई। मीटिंग



में संजय झा, प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, मंत्री श्रवण कुमार और एमएलसी संजय गांधी मौजूद रहे। बताया जाता है कि इस मीटिंग में भी अनंत-रोड शो किया। यह रोड शो महारानी चौक से शुरू होकर चौराहा होते हुए दरियापुर से आगे बढ़ा और बख्तियापुर में खत्म हुआ। इस दौरान रास्ते में कई जगहों पर उनका जोरदार स्वागत हुआ। उनके साथ भारी संख्या में समर्थक मौजूद रहे। उन्होंने कहा, ‘आप लोग जब भी बुलाएंगे, हम हमेशा हाजिर रहेंगे’।

जनसुराज प्रत्याशी के समर्थन में प्रचार कर रहे हैं अनंत सिंह: अनंत सिंह के इस रुख को लेकर जदयू में पिछले कई दिनों से अंदरूनी घमासान चल रहा है। पटना स्नातक सीट से जदयू प्रत्याशी नीरज कुमार के खिलाफ अनंत सिंह खुदकर मोर्चा ले चुके हैं। वो अनुज के नामांकन में भी शामिल हुए थे और रोड शो भी किया था।

डॉ. अजय कुमार पासवान ने संभाला बिहार कांग्रेस मीडिया एवं प्रचार विभाग के अध्यक्ष का पदभार

एजेंसी, पटना

बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया एवं प्रचार विभाग के नव नियुक्त अध्यक्ष डॉ अजय कुमार पासवान ने बुधवार प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सराकत आश्रम में विधिवत पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम ने डॉ अजय कुमार पासवान को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मीडिया एवं प्रचार विभाग पार्टी की नीतियों, कार्यक्रमों और जनहित से जुड़े मुद्दों को जनता तक प्रभावी, तथ्यपरक और सशक्त ढंग से पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि डॉ अजय कुमार पासवान के नेतृत्व में मीडिया विभाग और अधिक सक्रिय, सुदृढ़ एवं प्रभावशाली बनेगा तथा कांग्रेस की आवाज को मजबूती के साथ जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। पदभार ग्रहण करने के बाद डॉ अजय



कुमार पासवान ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने उन्हें जो महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है, उसका वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि बिहार कांग्रेस की नीतियों, विचारधारा और जनहित से जुड़े मुद्दों को मीडिया के माध्यम से अधिक प्रभावी, स्पष्ट और व्यापक रूप से जनता तक पहुंचाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि मीडिया विभाग को और अधिक सशक्त बनाते हुए पत्रकारों एवं मीडिया संस्थानों के साथ बेहतर, निष्पक्ष और प्रभावी समन्वय स्थापित किया जाएगा ताकि पार्टी की आवाज को आम जनता तक पहुंचाया जा सके।

ब्लॉक प्रोजेक्ट मैनेजर का बीजेपी ऑफिस के बाहर हंगामा

एजेंसी, पटना

पटना में शिक्षा विभाग से हटाए गए ब्लॉक प्रोजेक्ट मैनेजर (प्रखंड परियोजना प्रबंधक) आज अपनी मांगों को लेकर भाजपा कार्यालय पहुंचे। इनका कहना है कि वर्ष 2023 में शिक्षा विभाग में उनकी पोस्टिंग हुई थी और पांच साल का अनुबंध था, लेकिन 31 मार्च 2025 को उन्हें काम से हटा दिया गया। प्रदर्शन कर रहे ब्लॉक प्रोजेक्ट मैनेजरों का आरोप है कि तत्कालीन शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव एस. सिद्धार्थ के स्तर से उन्हें मौखिक आदेश के जरिए हटाया गया। इसके लिए कोई लिखित पत्र भी जारी नहीं किया गया। ब्लॉक प्रोजेक्ट मैनेजरों ने भाजपा कार्यालय पहुंचकर सरकार और शिक्षा विभाग तक अपनी बात पहुंचाने की मांग की। उनका कहना है कि वे पिछले करीब एक साल से अपनी बहाली



को लेकर अलग-अलग स्तर पर अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से मिल रहे हैं, लेकिन अब तक उन्हें सिर्फ आश्वासन मिला है। उनकी मांग है कि उन्हें दोबारा सेवा में बहाल किया जाए और यह स्पष्ट किया जाए कि आखिर उन्हें किस आधार पर हटाया गया।

अलग-अलग मंत्रियों और जनप्रतिनिधियों से मिल रहे: प्रदर्शन में शामिल अभयानन्द ने कहा कि वे चाहते हैं कि वे चाहते हैं कि उनकी बात विभाग और सरकार तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल से वे अपने-अपने क्षेत्र के अलग-अलग मंत्रियों

सैटेलाइट टाउनशिप विवाद में राकेश टिकैत की एंट्री

एजेंसी, पटना

किसान नेता राकेश टिकैत आज बुधवार को पटना पहुंचे। यहाँ सांसद सुधाकर सिंह के आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की संबोधित करते हुए उन्होंने बिहार सरकार की सैटेलाइट सिटी बनाने की योजना को लेकर किसानों की जमीन के मुआवजे का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि सरकार सैटेलाइट सिटी बनाने की योजना तो बना रही है, लेकिन किसानों से जमीन लेते समय उन्हें उचित कीमत नहीं दी जा रही है।

2013 के सर्किल रेट पर जमीन लेने का आरोप: राकेश टिकैत ने कहा कि किसानों से 2013 के सर्किल रेट के आधार पर जमीन लेने की बात की जा रही है। इतने वर्षों में हर चीज की कीमत बढ़ गई, लेकिन किसानों की जमीन का सर्किल रेट उसी हिसाब से नहीं बढ़ाया गया। सरकार को बताना चाहिए कि जमीन की कीमत बढ़ाने में देरी क्यों हो रही है। उन्होंने कहा कि अगर जमीन की कीमत 2013 के हिसाब से ही रखनी है तो बाकी चीजों की कीमत भी 2013 के हिसाब से ही रखी जाए। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि अगर सर्किल रेट वही है तो सोने



किसान नेता बोले- 2013 का सर्किल रेट नहीं चलेगा, किसानों को मुआवजा देने में छल कर रही सरकार

समेत दूसरी चीजों के रेट भी 2013 के हिसाब से होने चाहिए। राकेश टिकैत ने कहा कि सरकार शहर और अस्पताल बनाने के लिए किसानों की जमीन ले रही, इसमें उन्हें आपत्ति नहीं है। लेकिन जमीन के बदले किसानों को उसका वाजिब मूल्य दिया जाए। उन्होंने कहा कि किसानों के उचित मुआवजे को लेकर उनकी लड़ाई जारी रहेगी। टिकैत ने कहा कि वह बिहार सरकार को यह बताने आए हैं कि सैटेलाइट सिटी का निर्माण करना अच्छी बात है, लेकिन इसके लिए किसानों की जमीन लेने से पहले उन्हें उचित मूल्य दिया जाना चाहिए।

इंडिया गठबंधन ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंका, एसआईआर में ‘वोट चोरी’ का आरोप लगाया

एजेंसी, पटना

पटना के दानापुर में विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को लेकर INDIA गठबंधन के आह्वान पर बुधवार को दानापुर में राजद समेत कई घटक दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पुतले फूँके। इस दौरान केंद्र सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ नारेबाजी की गई।

देशभर में INDIA गठबंधन की ओर से SIR और चुनाव प्रक्रिया को लेकर विरोध कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। गठबंधन के दल मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और SIR प्रक्रिया पर पुनर्विचार की मांग कर रहे हैं।

व्यापार मंडल परिसर से निकाला जुलूस: प्रदर्शन का नेतृत्व राजद प्रखंड अध्यक्ष सत्यानंद सिंह



और कांग्रेस नेता राज कुमार पूर्वं ने किया। कार्यकर्ताओं ने व्यापार मंडल परिसर से जुलूस निकाला। जुलूस ब्लॉक ऑफिस के सामने मुख्य सड़क पर पहुंचा, जहां प्रदर्शनकारियों ने पुतला फूँका। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयोग और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर ‘वोट चोरी’ का आरोप लगाते हुए उन्हें पद से हटाने

की मांग की। हालांकि, ये आरोप प्रदर्शनकारियों के राजनीतिक दावे हैं। **SIR से मतदाताओं के नाम हटने की जताई आशंका:** राजद और कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि SIR के जरिए बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटाए जाने की आशंका है। उनका कहना था कि इससे लाखों लोग मतदान के अधिकार से वंचित हो सकते हैं। नेताओं ने चुनाव प्रक्रिया

खेमनीचक के रहने वाले ड्राइवर की संदिग्ध मौत

एजेंसी, पटना

पटना के कंकड़बाग थाना क्षेत्र के खेमनीचक निवासी एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान परमेश्वर कुमार के रूप में हुई है। वह एक डॉक्टर के यहाँ ड्राइवर का काम करता था। मंगलवार को वह डॉक्टर को हाजीपुर से पटना लेकर आया था। डॉक्टर को घर छोड़ने के बाद अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

अचानक बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में मौत: जानकारी के अनुसार, परमेश्वर कुमार मंगलवार को डॉक्टर को लेकर हाजीपुर से पटना आया था। डॉक्टर को उनके घर छोड़ने के बाद परमेश्वर की तबीयत अचानक खराब हो गई। इसके बाद उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। युवक की मौत



की सूचना मिलने के बाद कंकड़बाग पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटनास्थल से जुड़ी परिस्थितियों को देखते हुए पुलिस ने एफएसएल की टीम को भी बुलाया। परमेश्वर के मुंह से झाग निकलने की बात सामने आई है। इसके बाद उसकी मौत को लेकर कई तथ्यों की आशंकाएं जताई जा रही हैं। हालांकि, अभी मौत का कारण स्पष्ट नहीं है। सीनियर साइंटिस्ट अनिल कुमार के नेतृत्व में FSL टीम ने घटनास्थल की जांच की और जरूरी साक्ष्य जुटाए। पुलिस इन साक्ष्यों के आधार पर भी मामले की जांच कर रही है।

ब्लॉक प्रोजेक्ट मैनेजर का बीजेपी ऑफिस के बाहर हंगामा

और जनप्रतिनिधियों से मिल रहे हैं, ताकि उनकी बात शिक्षा मंत्री तक पहुंच सके। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री से भी मुलाकात हुई थी, लेकिन वहां से भी उन्हें आश्वासन मिला। अब वे जानना चाहते हैं कि आखिर उनके खिलाफ क्या फीडबैक था, उनकी ड्यूटी में क्या कमी थी और उन्हें क्यों हटाया गया। अभयानन्द ने कहा कि वे लोग जाएं तो जाएं कहा और इस बेरोजगारी के दौर में क्या करें। उनकी मांग है कि सरकार उनकी स्थिति पर स्पष्ट फैसला ले और उन्हें दोबारा काम करने का मौका दिया जाए।

ब्लॉक प्रोजेक्ट मैनेजर दीपक कुमार ने कहा कि वे लोग अपनी मांगों को सरकार तक पहुंचाने के लिए बैनर-पोस्टर लेकर भाजपा कार्यालय आए थे। उन्हें जानकारी मिली थी कि यहां संकल्प दिवस का आयोजन है और मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष समेत कई मंत्री और

नेता कार्यक्रम में शामिल होने वाले हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जब वे अपनी मांग रखने के लिए बैनर लेकर पहुंचे तो प्रशासन की ओर से उनका बैनर जबरन छीन लिया गया और उन्हें कार्यालय परिसर से बाहर कर दिया गया। दीपक कुमार ने कहा कि उनसे कहा गया कि अभी वे लोग नेताओं से नहीं मिल सकते हैं। दीपक कुमार ने कहा कि उनकी मांग है कि शिक्षा विभाग के मंत्री मीतेश तिवारी तक उनकी बात पहुंचाई जाए। उनका कहना है कि वे अपने स्तर से लगातार अपनी समस्या सरकार के सामने रखने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है। उनका कहना है कि अगर विभाग ने उन्हें हटाया है तो इसके पीछे का कारण बताया जाना चाहिए। साथ ही, अगर उनके मामले में कोई कमी थी या कोई फीडबैक था तो उसे भी उनके सामने रखा जाना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग अपहृता बरामद, आरोपी गिरफ्तार

हरसिद्धि पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को दबोचा, आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी



बीएनएम @ मोतिहारी। जिला के हरसिद्धि थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नाबालिग अपहृता को सकुशल बरामद कर लिया है। मामले में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान संग्रामपुर थाना क्षेत्र के इमलिया गांव निवासी उपेंद्र कुमार (22) के रूप में हुई है। वह महेश पासवान का पुत्र बताया गया है। पुलिस के अनुसार, इस संबंध में हरसिद्धि थाना में कांड संख्या 467/26, दिनांक 12 सितंबर 2026 के तहत बीएनएम की धारा 137(2)/96 एवं पॉक्सो एक्ट की धारा 8/12 में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने नाबालिग लड़की को बरामद कर लिया। वहीं, उसे ले जाने के मामले में नामजद नहीं रहे आरोपी उपेंद्र कुमार को गिरफ्तार किया गया। हरसिद्धि थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि नाबालिग अपहृता को बरामद कर लिया गया है तथा मामले में अप्राथमिकी अभियुक्त उपेंद्र कुमार को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

इंडिया गठबंधन का प्रदर्शन, चुनाव में पारदर्शिता की उठी मांग



बीएनएम @ तुरकौलिया। जनहित के मुद्दों और चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग को लेकर बुधवार को इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ताओं ने तुरकौलिया मुख्य चौक पर प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और महंगाई, भ्रष्टाचार व परीक्षा व्यवस्था में कथित अनियमितता के मुद्दे उठाए। प्रदर्शन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि महंगाई बढ़ने से आम लोगों के घरेलू बजट पर असर पड़ रहा है। परीक्षा व्यवस्था में कथित अनियमितता को लेकर विद्यार्थियों और अभ्यर्थियों में असंतोष है। कार्यकर्ताओं ने चुनाव प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठाते हुए चुनाव आयोग से पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की। उनका कहना था कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव प्रक्रिया को लेकर लोगों का भरोसा बनाए रखना जरूरी है। राजद प्रदेश महासचिव इनामुलहक ने कहा कि केंद्र सरकार को महंगाई, रोजगार, परीक्षा व्यवस्था और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता से जुड़े सवालों को लेकर इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ता लगातार आवाज उठाते रहेंगे। प्रदर्शन करने वाले में में राजदेव यादव, चंदन कुशवाहा, अख्तर हुसैन, अवधेश नारायण यादव, इमाम हुसैन, राजकुमार अंजुमन, सत्येंद्र तिवारी, धर्मेन्द्र कुशवाहा, संतु यादव, नेशा खातून, रघुबर प्रसाद, अशोक यादव, जवाहरलाल कुशवाहा, अनैश आलम, मुन्ना राम और अजय यादव सहित गठबंधन के कार्यकर्ता व समर्थक शामिल रहे।

विधान परिषद चुनाव को लेकर मतदान दल का प्रथम प्रशिक्षण संपन्न

बीएनएम @ मोतिहारी। आगामी बिहार विधान परिषद साधारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव को लेकर नगर के राजेंद्र भवन सभागार में मतदान कर्मियों का प्रथम प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में पीठासीन पदाधिकारी समेत मतदान दल पदाधिकारी प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय को चुनाव प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान मतदान कर्मियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। बैलेट बॉक्स के संचालन एवं मतदान प्रक्रिया की जानकारी के साथ निर्वाचन अधिनियम और नियमावली के विभिन्न प्रावधानों से अवगत कराया गया। इसके अलावा मतदान कर्मियों की शंकाओं के समाधान के लिए प्रश्नोत्तर सत्र का भी आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में वरीय प्रभारी प्रशिक्षण कोषांग -सह- अपर समाहर्ता लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी शैलेन्द्र कुमार भारती, प्रशिक्षण कोषांग के नोडल पदाधिकारी अभिराम, उप निर्वाचन पदाधिकारी अरंजाल अरविंद सहित अन्य मास्टर ट्रेनर मौजूद रहे। प्रशिक्षकों ने मतदान प्रक्रिया में निर्धारित नियमों एवं दायित्वों का पूरी तरह पालन करने की जानकारी दी। बताया गया कि मतदान कर्मियों का द्वितीय प्रशिक्षण सत्र 15 अक्टूबर 2026 को आयोजित किया जाएगा। वहीं, 23 अक्टूबर 2026 को मतदान निर्धारित है।

बंदियों को हुनर की उड़ान, आत्मनिर्भरता की राह आसान

» कौशल प्रशिक्षण बंदियों के जीवन में नई उम्मीद व आत्मनिर्भरता का मार्ग खोलेगा। पशुपालन एवं वर्मी कंपोस्ट जैसे रोजगारपरक हुनर उन्हें रिहाई के बाद सम्मानजनक स्वरोजगार से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे

बीएनएम @ नीरव आनंद, डीएसटी



मोतिहारी। जेल की चारदीवारी के भीतर सुधार, कौशल विकास और पुनर्वास की दिशा में चल रही सकारात्मक पहल अब नई उम्मीद जगा रही है। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), मोतिहारी की ओर से केंद्रीय कारा के बंदियों को 12 दिवसीय पशुपालन एवं वर्मी कंपोस्ट उत्पादन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण का उद्देश्य बंदियों को हुनरमंद बनाकर उन्हें जेल से बाहर निकलने के बाद स्वरोजगार

और सम्मानजनक आजीविका से जोड़ना है। यह प्रशिक्षण योग्य डीएसटी नीरव आनंद द्वारा दिया जा रहा है। प्रशिक्षक नीरव आनंद अपने सहज, व्यावहारिक और प्रेरणादायी प्रशिक्षण के माध्यम से वे बंदियों को केवल तकनीकी जानकारी ही नहीं दे रहे, बल्कि उनमें आत्मविश्वास, जिम्मेदारी और आत्मनिर्भरता की भावना भी विकसित कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में प्रशिक्षणार्थियों को पशुओं की देखभाल, नस्ल



चयन, संतुलित पोषण, रखरखाव, सामान्य बीमारियों की पहचान

एवं बचाव के वैज्ञानिक तरीकों, प्राकृतिक व कृत्रिम गर्भाधान सहित

अन्य की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। साथ ही जैविक खेती के

लिए उपयोगी वर्मी कंपोस्ट तैयार करने की व्यावहारिक तकनीक भी सिखाई जा रही है। डीएसटी नीरव आनंद का मानना है कि बंदियों के पुनर्वास में शिक्षा और रोजगारपरक कौशल की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। हुनर के माध्यम से उनमें नई शुरुआत का विश्वास पैदा किया जा सकता है। प्रशिक्षण के उपरांत बंदी जेल से रिहा होने के पश्चात पशुपालन और जैविक खाद निर्माण को स्वरोजगार के रूप में अपनाकर आजीविका का साधन विकसित कर सकेंगे। यह पहल उनके सुधार, पुनर्वास और समाज की मुख्यधारा में सम्मानजनक वापसी की दिशा में सार्थक कदम साबित होगा। ज्ञातव्य हो कि आरसेटी का संचालन भारत सरकार, राज्य सरकार और प्रायोजक बैंकों के सहयोग से किया जाता है। इसका उद्देश्य ग्रामीण युवाओं और जरूरतमंदों को अल्पावधि प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार एवं उद्यमिता के लिए सक्षम बनाना है।

दुर्गा पूजा पंडाल का अग्निशमन विभाग ने किया निरीक्षण

बीएनएम @ मोतिहारी

जिले के मोतिहारी अनुमंडल अग्निशमननालय अंतर्गत बरियारपुर में निर्माणाधीन भव्य दुर्गा पूजा पंडाल का जिला अग्निशमन पदाधिकारी मो. आरिफुज्जमा ने सचन निरीक्षण किया। उक्त निरीक्षण के दौरान उन्होंने पंडाल में अग्नि सुरक्षा के इंतजाम, विद्युत व्यवस्था, पंडाल की मजबूती तथा आपातकालीन निकास द्वार (फायर एग्जिट) की बारीकी से जांच की। इस दौरान उन्होंने पूजा समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों को अग्नि सुरक्षा से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। जिला अग्निशमन पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि पंडाल में दो अलग-अलग और पर्याप्त चौड़े प्रवेश व निकास द्वार बनाए जाएं।



इसके अलावा पर्याप्त संख्या में अग्निशमन यंत्र एवं बालू भरी बाल्टियां उपलब्ध रखने, विद्युत तारों पर ओवरलोडिंग नहीं करने तथा पंडाल के अंदर भूस्फुरण पूरी तरह प्रतिबंधित रखने को कहा। उन्होंने बताया कि बड़े पंडालों

के लिए फायर एनओसी लेना अनिवार्य है। उन्होंने पूजा समिति के सदस्यों से अपील की कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी अग्नि सुरक्षा मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करें।

बीएनएम @ डुमरियाघाट

नेशनल हाईवे- 27 पर बुधवार को डुमरियाघाट पुलिस ने शराब कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बड़ी सफलता हासिल की। पुलिस ने डुमरियाघाट पुल के समीप एक टेम्पो की तलाशी के दौरान सात बैग में छिपाकर ले जाई जा रही 131.82 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की। इस कार्रवाई में पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, बरामद शराब में रॉयल स्टेग 22.5 लीटर, 100 प्लापर 7.5 लीटर, ब्लैडर्स प्राइड 16.5 लीटर, ब्लैंडर्स प्राइड 8.64 लीटर तथा ऑफिसर्स चॉइस फ्रूटी के 426 पीस (76.680 लीटर) शामिल हैं। बरामद शराब की कुल मात्रा 131.82 लीटर बताई गई है। उक्त शराब के परिवहन में प्रयुक्त टेम्पो संख्या बीआर- 28पी- 5139



को भी पुलिस ने जब्त कर लिया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान विकेश कुमार, पिता बीरेन्द्र बैठा, निवासी सेमपर, थाना तुरकौलिया, बिट्टू कुमार, पिता दिलीप पटेल तथा अनिकेत कुमार, पिता

मिथिलेश गिरी, दोनों निवासी कोटवा, पूर्वी चंपारण के रूप में हुई है। पुलिस ने तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

मटिया से मधुबन छावनी चौक तक सड़क व जल निकासी व्यवस्था का डीएम ने किया निरीक्षण

» एक माह में नाला निर्माण पूरा करने का निर्देश, सड़क ऊंचीकरण व जल निकासी के लिए पुलिया निर्माण पर जोर

बीएनएम @ मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने बुधवार को मटिया राष्ट्रीय राजमार्ग से मधुबन छावनी चौक तक सड़क एवं जल निकासी व्यवस्था का स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त आशीष कुमार, पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता, विद्युत विभाग के सहायक अभियंता सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी श्री यादव ने नगर निगम के अधिकारियों को सड़क से जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने संबंधित नाला निर्माण कार्य को



एक माह के भीतर पूरा करने को कहा,

ताकि जलजमाव की समस्या का शीघ्र

समाधान हो सके। निरीक्षण के दौरान सड़क पर स्थित विद्युत ट्रांसफार्मरों को लेकर भी जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि नाले के निर्माण में बाधा उत्पन्न कर रहे ट्रांसफार्मरों को अविलंब हटाकर दूसरे उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित किया जाए। वहीं, पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता को सड़क के ऊंचीकरण का कार्य जल्द पूरा करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि जिन स्थानों पर आवश्यकता है, वहां जल निकासी के लिए पुलिया का निर्माण कराया जाए। उन्होंने मुख्य सड़क पर होटल दिव्यराज के समीप भी पुलिया निर्माण कराने का निर्देश दिया, ताकि नाले के पानी की निकासी सुरक्षित रूप से हो सके और जलजमाव की समस्या का समाधान शीघ्र किया जा सके। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को सभी कार्यों में तेजी लाते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्य पूरा करने का निर्देश दिया।

चोरी की बाइक पर दूसरे वाहन का नंबर प्लेट, युवक गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

जिला के हरसिद्धि पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर वाहन जांच के दौरान रामपुरवा गांव से

ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर रामपुरवा गांव में वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान चोरी की मोटरसाइकिल के साथ जितेंद्र मिश्रा को गिरफ्तार

चोरी की मोटरसाइकिल के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान हरसिद्धि थाना क्षेत्र के मिश्रा टोला निवासी पारस मिश्रा का पुत्र जितेंद्र मिश्रा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, जांच के दौरान बरामद मोटरसाइकिल पर किसी दूसरे वाहन का पंजीयन नंबर लगा हुआ था। इतना ही नहीं, बाइक का चेचिस नंबर भी मिटाया गया था। पुलिस ने मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया है और गिरफ्तार युवक से पूछताछ की जा रही है। हरसिद्धि थानाध्यक्ष सुनील कुमार



किया गया। बरामद बाइक पर दूसरे वाहन का पंजीयन नंबर लगा था, जबकि उसका चेचिस नंबर मिटा हुआ पाया गया। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

इंडिया गठबंधन का प्रदर्शन, चुनाव आयोग के खिलाफ जमकर नारेबाजी

मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण पर उठाए सवाल, पीएम मोदी विरोधी गृह मंत्री शाह का पुतला फूँका

बीएनएम @ रामगढ़वा

इंडिया गठबंधन के देशव्यापी विरोध कार्यक्रम के तहत बुधवार को रामगढ़वा में विपक्षी दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और चुनावी प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को लेकर प्रदर्शनकारियों ने चुनाव आयोग और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन का नेतृत्व सुगौली के पूर्व विधायक शशिभूषण सिंह, माकपा नेता एवं सुगौली के पूर्व प्रत्याशी राधामोहन सिंह, राजद नेता प्रेमचंद्र यादव, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष संजय पांडेय, मिथिलेश पासवान, जयकिशोर यादव, मुकेश यादव, बलिराम यादव, सुरेंद्र पटेल तथा प्रदेश कांग्रेस नेता धीरज सिंह ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान पूर्व विधायक शशिभूषण सिंह ने कहा कि चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने आरोप



लागा कि राजद समर्थित मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि गठबंधन इस तरह की कार्रवाई को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगा। प्रदर्शन के दौरान इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ताओं ने सड़क पर उतरकर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। नेताओं ने मतदाता सूची से जुड़े मामलों में पूरी पारदर्शिता बरतने और चुनावी प्रक्रिया को निष्पक्ष बनाए रखने की

मांग की। प्रदर्शन के अंत में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के पुतले का दहन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ अपना आक्रोश जताया। मौके पर रमेश शुक्ला, कुणाल सिंह, सुरेंद्र यादव, बबलू यादव, राजेश यादव, पूर्व मुखिया सेफुल्लाह, अशोक यादव, इकबाली राम सहित सैकड़ों कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद थे।

रक्सौल में इंडिया गठबंधन का प्रदर्शन, चुनाव आयोग के खिलाफ जताया आक्रोश

मुख्य चुनाव आयुक्त, पीएम और गृह मंत्री का पुतला फूँका; एसआईआर प्रक्रिया में गड़बड़ी का लगाया आरोप

बीएनएम @ रक्सौल

बिहार इंडिया गठबंधन समन्वय समिति के शीर्ष नेतृत्व के आह्वान पर बुधवार को रक्सौल प्रखंड मुख्यालय स्थित अंबेडकर चौक पर इंडिया गठबंधन समन्वय समिति की ओर से आक्रोश मार्च निकाला गया। इस दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश गुप्ता, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का पुतला दहन कर विरोध जताया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इंडिया गठबंधन समन्वय समिति के प्रखंड अध्यक्ष सौरंजन कुमार यादव ने की। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने “झोला भगाओ, लोकतंत्र बचाओ”



समेत कई नारे लगाए। सौरंजन कुमार यादव ने कहा कि बिहार में चल रही एसआईआर प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अनियमितता का आरोप लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गरीब, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग के लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने की

आशंका है। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए गंभीर विषय बताते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन इसका विरोध जारी रखेगा। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री श्याम बिहारी प्रसाद, कांग्रेस के जिला अध्यक्ष अखिलेश दयाल, प्रमोद राय, नूरलाह खान, जिला उपाध्यक्ष फखरुद्दीन आलम, प्रदेश

नेता सुनील कुशवाहा, मदन गुप्ता, मनोरंजन तिवारी, अमिल पान, दुर्गेश कुमार, अरमान आलम, संजय यादव, नितेश गुप्ता, सुभाष यादव, रमाशंकर यादव, सुमित कुमार, मृणाल किशोर, नासिर आलम, उमर अंसारी, ओम गुप्ता, संदीप यादव, नवीन यादव, छोटेलाल चौरसिया और रवि भारती समेत राजद, कांग्रेस, वीआईपी, भाकपा, माकपा व माले के कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान गठबंधन के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मतदाता सूची एवं एसआईआर प्रक्रिया को लेकर अपनी आपत्तियां दर्ज कराईं। कार्यक्रम शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ।

संक्षिप्त समाचार

विवादित लकड़ी देने पर दारोगा लाइन हाजिर

बीएनएम @ बगहा। विवादित लकड़ी को बिना वरीय अधिकारियों की अनुमति के एक पक्ष को सीपना गोवर्धना थाना के पुलिस पदाधिकारी पु०अ०नि० जितेन्द्र कुमार राय को भारी पड़ा। प्रथम दृष्टया कर्तव्य के प्रति लापरवाही, मनमानेपन और अनुशासनहीनता सामने आने के बाद पुलिस अधीक्षक बगहा राजेश कुमार ने उन्हें तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया। एसपी ने बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि गोवर्धना थाना क्षेत्र के नयागांव निवासी एक आवेदक ने लकड़ी काटने को लेकर उत्पन्न विवाद के संबंध में आवेदन किया था। आरोप है कि संबंधित पुलिस पदाधिकारी ने बिना वरीय अधिकारी की अनुमति और समुचित जांच के विवादित लकड़ी को एक पक्ष के प्रभाव में आकर 10 सितंबर 2026 को सौंप दिया। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस पदाधिकारी से स्पष्टीकरण मांगा गया, लेकिन उनका जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया। इसके बाद 6 अक्टूबर 2026 को एसपी ने कार्रवाई करते हुए उन्हें लाइन हाजिर कर पुलिस केंद्र, बगहा में योगदान देने का निर्देश दिया। साथ ही उनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही शुरू करने का आदेश दिया गया है। पुलिस विभाग ने कहा है कि कर्तव्य में लापरवाही, अनुशासनहीनता और मनमाने आचरण को किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई, 74 वारंट का निष्पादन

बीएनएम @ बगहा। बगहा पुलिस जिले में अपराधियों और शराब कारोबारियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी है। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर पुलिस कार्रवाई और उपलब्धियों की जानकारी दी। धनहां थाना पुलिस ने वारंट के आधार पर अभिलाष निषाद और गोविन्द नट को गिरफ्तार किया। भैरोज थाना पुलिस ने मद्यनिषेध अधिनियम के तहत रामराज चौधरी, विजय कुमार और सजी कुमार को गिरफ्तार किया तथा 16 लीटर चुलाई शराब बरामद की। ठकुराहां थाना पुलिस ने गुडू तिवारी, प्रमोद यादव और जितेन्द्र मुसहर को मद्यनिषेध अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया, जबकि चोतरवा थाना पुलिस ने जाकीर हुसैन को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजने की कार्रवाई की। एसपी ने बताया कि अभियान के दौरान कुल 74 वारंट और एक कुर्की का निष्पादन किया गया। वहीं वाहन जांच अभियान में 272 वाहनों की जांच की गई और वायातन नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों से 64,500 रुपये जुर्माना वसूला गया।

सेवा सेतु शिविर में उमड़ी भीड़



बीएनएम @ बगहा। प्रखंड बगहा-1 के सभागार भवन में बीडीओ प्रदीप कुमार के नेतृत्व में सेवा सेतु शिविर के दूसरे दिन भी ग्रामीणों की भीड़ जुटी। शिविर में स्वास्थ्य, वन स्टॉप सेंटर, आपूर्ति, कल्याण, आईसीडीएस, आवास, कृषि, पंचायती राज, श्रम, मनरेगा, स्वच्छता, पेंशन, जीविका और आरटीपीएस सहित विभिन्न विभागों के काउंटर लगाए गए, जहां कर्मियों ने लोगों की समस्याएं सुनीं और आवेदन लिए। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने करीब एक दर्जन लोगों की जांच कर इलाज किया और आवश्यक दवाइयां वितरित कीं। बीडीओ प्रदीप कुमार ने ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ लेने के लिए जागरूक किया। मौके पर विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मी और जीविका दीर्घायों मौजूद रहीं।

एसआईआर के विरोध में पुतला दहन



बीएनएम @ नौतन। एसआईआर के विरोध में बुधवार को डंडिया ब्लॉक के कार्यकर्ताओं ने नौतन बाजार में विरोध मार्च निकालकर नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ आक्रोश जताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। इस दौरान 'वोट चोर गद्दी छोड़' के नारे लगाए गए। प्रखंड कार्यालय के सामने कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और चुनाव आयुक्त का पुतला दहन किया। नेताओं ने एसआईआर प्रक्रिया को लोकतंत्र और संविधान के खिलाफ बताते हुए इसे वापस लेने की मांग की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष मैउडीन मंसूरी, राजद प्रखंड अध्यक्ष नेक मोहम्मद अंसारी और माकपा नेता प्रभुनाथ गुप्ता ने संयुक्त रूप से की। विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बीडीओ गिरधारी साह, सीओ अलका कुमारी और थानाध्यक्ष राजीव कुमार पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। मौके पर विभिन्न दलों के नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

गड्डे में ई-रिवशा पलटा, शिक्षिका घायल



बीएनएम @ बेतिया। इनरवा थाना क्षेत्र के सकरौल गांव के समीप बुधवार की सुबह सड़क पर बने गड्डे में ई-रिक्शा पलटने से शिक्षिका नीता कुमारी और चालक गणेश साह घायल हो गए। बताया गया कि 28 वर्षीय शिक्षिका नरकटियागंज से ई-रिक्शा से उच्चतर प्लस टू माध्यमिक विद्यालय, इनरवा जा रही थीं। सुबह करीब नौ बजे सकरौल गांव के पास ई-रिक्शा का पहिया गड्डे में जाने से वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। शिक्षिका का प्राथमिक उपचार सीएचसी मैनाटांड में करने के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए बेतिया रेफर कर दिया गया। वहीं, चालक गणेश साह का इलाज निजी नर्सिंग होम में कराया गया। हादसे के बाद सड़क की खराब स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी देखी गई। लोगों ने सड़क पर बने गड्डों की मरम्मत कराने की मांग की। घटना की सूचना पर पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पीएचडी उपाधि हासिल करने पर डॉ. राजू बैठा सम्मानित

» वीरगंज महानगरपालिका के मेयर राजेशमान सिंह ने खादा पहनाकर किया अभिनंदन, शोध को सेवा व्यवस्था में सुधार के लिए बताया उपयोगी

बीएनएम @ रक्सौल/वीरगंज

वीरगंज महानगरपालिका- 23 निवासी डॉ. राजू बैठा ने भारत के पंजाब स्थित आरआईएमटी विश्वविद्यालय से राजनीति शास्त्र में पीएचडी की प्रतिष्ठित उपाधि हासिल की है। उनकी इस शैक्षणिक उपलब्धि पर वीरगंज महानगरपालिका के मेयर राजेशमान सिंह ने उन्हें नेपाली संस्कृति में पवित्रता, सत्कार, प्रेम, शांति, राष्ट्रीय गौरव एवं सम्मान के प्रतीक खादा पहनाकर सम्मानित किया। सम्मान से अभिभूत डॉ. राजू



Selected Services' विषय पर शोध कार्य पूरा कर पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। इस उपलब्धि पर वीरगंज महानगरपालिका के मेयर राजेशमान सिंह ने उन्हें नेपाली संस्कृति में पवित्रता, सत्कार, प्रेम, शांति, राष्ट्रीय गौरव एवं सम्मान के प्रतीक खादा पहनाकर सम्मानित किया। सम्मान से अभिभूत डॉ. राजू

कहा कि उनका शोध महानगरपालिका की सेवा व्यवस्था और कार्य प्रदर्शन के अध्ययन तथा उसमें सुधार के लिए उपयोगी आधार प्रदान कर सकता है। उन्होंने कहा कि डॉ. बैठा की उपलब्धि से वीरगंज का नाम देश-विदेश में रोशन हुआ है। साथ ही, उनकी सफलता से स्थानीय युवाओं को उच्च शिक्षा और शोध के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। इधर, रक्सौल की सामाजिक संस्था भारत विकास परिषद, रक्सौल के अध्यक्ष रजनीश प्रियदर्शी तथा परिषद के सेवा संयोजक -सह- मीडिया प्रभारी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 322ई, जोन- 41 के जोन चेयरपर्सन -सह- डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन बिमल सर्राफ ने भी डॉ. राजू बैठा को पीएचडी की उपाधि हासिल करने पर हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने डॉ. बैठा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विधिज्ञ संघ चुनाव में 95 प्रतिशत मतदान



बीएनएम @ बगहा

विधिज्ञ संघ बगहा के द्विवार्षिक चुनाव सत्र 2026-28 के लिए बुधवार को मतदान शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। सुबह 10:30 बजे शुरू हुआ मतदान शाम पांच बजे तक चला। कुल 482 मतदाताओं में से 458 अधिकवक्ताओं ने अपने मतधिकार का प्रयोग किया। इस तरह करीब 95 प्रतिशत मतदान हुआ। मतदान को लेकर कचहरी परिसर में सुबह से ही गहमागहमी बनी रही और अधिकवक्ताओं ने कतारबद्ध होकर मतदान किया। चुनाव मैदान में उतरे प्रत्याशी भी मतदान केंद्र के आसपास सक्रिय रहे। अध्यक्ष पद के लिए निवर्तमान अध्यक्ष द्विजेंद्र नाथ तिवारी, सुनील

कुमार मिश्रा, शिव कुमार राव और केशव मिश्रा समेत अन्य प्रत्याशी मैदान में हैं। वहीं महासचिव पद के लिए राकेश महफूज आलम, विनोद कुमार प्रथम और राजेश कुमार द्विवेदी समेत अन्य प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। इसके अलावा संयुक्त सचिव, उपाध्यक्ष, सहायक सचिव, कोषाध्यक्ष, अंकेक्षक, पुस्तकालयाध्यक्ष और कार्यकारिणी के विभिन्न पदों के लिए भी प्रत्याशी मैदान में हैं। वरीय अधिकवक्ता सह मुख्य चुनाव अधिकारी अनिल कुमार सिंह ने बताया कि मतदान पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा और कुल 458 अधिकवक्ताओं ने मतदान किया। उन्होंने बताया कि गुरुवार को सुबह 11 बजे से मतगणना शुरू होगी तथा शाम छह बजे तक सभी पदों के परिणाम घोषित किए जाने की संभावना है।

रोगी कल्याण समिति की बैठक, सुविधा पर जोर

बीएनएम @ बगहा

विचार-विमर्श किया गया। बीडीओ प्रदीप कुमार ने अस्पताल परिसर

बगहा। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पतिलार, बगहा-01 में बुधवार को रोगी कल्याण समिति की मांसी निमित्त की बैठक प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रदीप



कुमार की अध्यक्षता में हुई। बैठक में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. राजेश सिंह नीरज, चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अब्दुल वहाब, प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक, प्रखंड लेखापाल, स्थापना लिपिक सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए मरीजों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने पर चर्चा की गई। साफ-सफाई, आधारभूत सुविधाओं, आवश्यक संसाधनों एवं मरीजों की सुविधा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर

में बेहतर साफ-सफाई, मरीजों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने तथा स्वास्थ्य सेवाओं का सुचारु संचालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। वहीं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. राजेश सिंह नीरज ने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार के लिए सभी के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य करने पर जोर दिया। बैठक में रोगी कल्याण समिति के माध्यम से पीएचसी की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने एवं मरीजों के हित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देने पर भी चर्चा हुई।

पंचायतों की समस्याओं पर मंत्री से मिलीं स्मिता

बीएनएम @ रामनगर

खटौरी पंचायत की मुखिया सह

मुखिया संघ अध्यक्ष स्मिता चौरसिया ने पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश से मुलाकात कर पंचायतों में विकास कार्यों

के दौरान आ रही समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों की समस्याओं, विकास कार्यों में आ रही बाधाओं और राशि के अभाव में लंबित योजनाओं को लेकर चर्चा की। स्मिता चौरसिया ने पंचायतों को समय पर आवश्यक राशि उपलब्ध कराने तथा लंबित कार्यों में तेजी लाने की मांग की। उन्होंने 16वीं एवं सप्तम मद की राशि

लंबित होने का मुद्दा भी उठाया। मंत्री ने समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए आवश्यक पहल



और पंचायतों को राशि उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। मुलाकात के दौरान पंचायत चुनाव को लेकर भी चर्चा हुई। हालांकि चुनाव कार्यक्रम को लेकर अंतिम आधिकारिक घोषणा का इंतजार रहेगा। स्मिता चौरसिया ने कहा कि पंचायत प्रतिनिधियों की समस्याओं का समाधान और प्राप्ति क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देना उनकी प्राथमिकता है।

आंगनबाड़ी सेविकाओं ने लगाया आंगन मेला



बीएनएम @ केसरिया

प्रखंड मुख्यालय स्थित अंबेडकर भवन में बुधवार को बाल विकास परियोजना कार्यालय के तत्वावधान में नवें राष्ट्रीय पोषण माह के तहत आंगनबाड़ी सेविकाओं ने आंगन मेला आयोजित किया। इस दौरान अन्नप्राशन दिवस, गोदभराई, पौष्टिक आहार और स्वच्छता से संबंधित प्रदर्शनी लगाई गई। विभिन्न खाद्य सामग्रियों का प्रदर्शन कर लोगों को संतुलित एवं पौष्टिक आहार के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में बच्चों और गर्भवती महिलाओं

के लिए पौष्टिक आहार के महत्व तथा स्वच्छता से संबंधित आवश्यक जानकारी दी गई। कार्यक्रम का नेतृत्व आंगनबाड़ी की सेविका सीमा गुप्ता ने किया। मौके पर प्रधान सहायक शौरव कुमार, प्रखंड समन्वयक सुजित कुमार, महिला पर्यवेक्षिका सीमा कुमारी, सविता भारती, कार्यपालक सहायक श्रीराम ठाकुर, गुडू कुमारी, सेविका संघ की अध्यक्ष रूपम देवी, सचिव जूली कुमारी, ललिता देवी, मीना कुमारी, मंजू कश्यप सहित बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी सेविकाएं मौजूद थीं।

गंडक कटाव पर प्रशासन अलर्ट, निर्देश



बीएनएम @ बगहा

बगहा-1 प्रखंड अंतर्गत रतवल पंचायत के रोहुआ नाला के समीप गंडक नदी से हो रहे कटाव की सूचना मिलते ही अनुमंडल पदाधिकारी बगहा चंदनी कुमारी ने त्वरित संज्ञान लेते हुए कटाव स्थल का निरीक्षण किया और संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी निहार भूषण, प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रदीप कुमार सहित अन्य पुलिस एवं प्रशासनिक पदाधिकारी मौजूद रहे। एसडीएम के निर्देश पर आरसीडी एवं जल संसाधन विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर कटावरोधी कार्य तत्काल शुरू कराया गया। कटाव को नियंत्रित करने के लिए बोल्टर सहित अन्य आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय किए जा रहे हैं। प्रशासन की ओर से स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय

स्थिति उत्पन्न न हो। कटाव के कारण रोहुआ नाला के आगे विद्युत पोल के प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए कार्यपालक अभियंता विद्युत के माध्यम से संबंधित क्षेत्र की बिजली आपूर्ति एहतियातन बंद करा दी गई है। साथ ही विद्युत पोल एवं आसपास के क्षेत्र की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक सुरक्षात्मक और कटावरोधी कार्य कराया जा रहा है। एसडीएम चंदनी कुमारी ने बताया कि गंडक नदी के कटाव की सूचना मिलते ही प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित विभागों को मौके पर लगाया है। उन्होंने कहा कि आमजन की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। संभावित खतरों को देखते हुए सभी आवश्यक एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर रहकर कटावरोधी कार्य की निगरानी करने तथा आवश्यकता के अनुसार तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

दुर्गापूजा को लेकर प्रशासन अलर्ट



बीएनएम @ बेतिया

दुर्गापूजा एवं दशहरा को शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने को लेकर पश्चिम चंपारण जिला प्रशासन अलर्ट मोड में है। समाहरणालय सभागार में जिलास्तरीय शांति समिति एवं प्रशासनिक-पुलिस पदाधिकारियों की बैठक जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह की अध्यक्षता में हुई। डीएम ने संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष निगरानी, जरूरत के अनुसार ड्रोन निगरानी, फ्लैग मार्च और सघन गश्ती करने के निर्देश दिए। संवेदनशील स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल और दंडाधिकारियों की तैनाती सुनिश्चित करने को

कहा गया। पूजा समितियों को आवश्यक लाइसेंस लेने, पंडालों में अग्नि सुरक्षा, सीसीटीवी, पर्याप्त रोशनी, वॉच टावर, पब्लिक एड्रेस सिस्टम और प्रशिक्षित स्वयंसेवकों की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया। सोशल मीडिया पर भ्रामक या साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाली सामग्री पर निगरानी रखते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए गए। प्रतिमा विसर्जन निर्धारित तिथि और मार्ग से कराने तथा विसर्जन स्थलों पर पर्याप्त गोताखोरों की व्यवस्था करने को कहा गया। बैठक में वरीय पुलिस अधीक्षक कुमार गौतम, पुलिस अधीक्षक बगहा राजेश कुमार सहित प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे।

चुनाव आयुक्त का पुतला फूंका, इस्तीफे की मांग

बीएनएम @ केसरिया

बीआईपी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव सह केसरिया विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी वरुण विजय के नेतृत्व में बुधवार को पीतांबर चौक पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया गया। कार्यक्रम में बीआईपी पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ महागठबंधन के विभिन्न घटक दलों के नेता और



कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयोग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए 'ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दो' और 'वोट चोर गद्दी छोड़ो' समेत कई नारे लगाए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वरुण विजय ने कहा कि चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं और मुख्य चुनाव आयुक्त को इनका जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए चुनाव प्रक्रिया का निष्पक्ष, पारदर्शी और विश्वसनीय होना जरूरी है। चुनावी प्रक्रिया को लेकर आम लोगों और राजनीतिक दलों के मन में किसी प्रकार की आशंका हो तो उसे दूर करना चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है। उन्होंने मुख्य

चुनाव आयुक्त से इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि बीआईपी पार्टी लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाती रहेगी। कार्यक्रम में सीपीआई नेता राजेंद्र सिंह, नेजाम खान, चतुर् सिंह, राजद नेता चंद्रशेखर राय, राजद जिला उपाध्यक्ष नसीमुजोहा उर्फ नन्दे, ऋतुराज शर्मा, पंचायत समिति सदस्य नितेश चंद्रवंशी, फिरोज आलम, सुरेश शर्मा, मुमताज अहमद, अजय शर्मा, हरिशंकर पासवान, राजद खेल प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष तौकीर खान, अकरम खान, कुमार धनंजय, शैलेश यादव, युवा नेता रवि जायसवाल, विश्वजीत कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ट्रंप की बेबाकी काबिल-ए-गौर

ट्रंप की सोच शायद यह है कि जिसके पास शक्ति है, उसका सम्मान होना चाहिए। इस सोच का ही दूसरा पक्ष है कि जो कमजोर है, उससे इस बात की कीमत अवश्य वसूली जानी चाहिए। डॉनल्ड ट्रंप की बेबाकी काबिल-ए-गौर है। संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा- ‘बीते जनवरी में मेरे निर्देश पर अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला की राजधानी के अंदर तक जाकर जबरदस्त सैन्य कार्रवाई की।ज यह युद्ध था। (पराजित पक्ष) का सारा माल विजेता का हो जाता है।’
○ इसके पहले कह चुके थे कि पिछले महीने अमेरिका ने वेनेजुएला के साथ ‘इतिहास का सबसे बड़ा तेल सौदां किया। विश्लेषकों ने इस बयान को संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन बताया है। वैसे ट्रंप ने अपने भाषण में ईरान और यद्युबा को लेकर भी धमकी भरी ऐसी बातें कहीं, जो संयुक्त राष्ट्र चार्टर की विभिन्न धाराओं की धज्जी उड़ाती मालूम पड़ें। संयुक्त राष्ट्र के मंच पर जाकर इस विश्व संस्था की बेकद्री करने की ऐसी मिसाल इसके पहले शायद ही मिलेगी।

लेकिन यही ट्रंप की पहचान है। वे खुद को और अमेरिका को किसी नियम-कायदे, संधि और मर्यादा से बंधा नहीं मानते। संभवतः वे सिर्फ एक सिद्धांत जानते हैं- और वह है शक्ति। यानी जिसके पास ताकत है, वही आदरणीय है। और इसकी ताजा मिसाल उन्होंने शी जिनिपिंग के स्वागत के लिए सबसे अलग किस्म की ‘लाल कालीन बिछा करं’ पेश की है। चीन के राष्ट्रपति की अमेरिका यात्रा (23-25 सितंबर) के दौरान ट्रंप ने प्रोटोकॉल से आगे जाकर स्वागत करने और चमकदार, भव्य आयोजनों का जो कार्यक्रम बनाया है, उसे देख कर शायद चीनी विश्लेषक भी हैरत में पड़ेंगे। जब अमेरिका और चीन की होड़ भू-राजनीति के सारे समीकरणों के केंद्र में हैं, ट्रंप के शी के प्रति इस झुकाव का तर्क अमेरिकियों को भी समझ में नहीं आया है। इसकी तुलना सिर्फ चार महीने पहले ट्रंप की हुई बीजिंग यात्रा से की गई है, जब चीन ने प्रोटोकॉल के अनुरूप ही उनका स्वागत किया था। वैसे, ट्रंप- शी की द्विपक्षीय आधिकारिक वार्ता से ज्यादा कुछ हासिल होगा, इसकी संभावनाएं भी कम ही हैं। मगर ट्रंप की सोच शायद यह है कि जिसके पास शक्ति है, उसका सम्मान होना चाहिए। इस सोच का ही दूसरा पक्ष है कि जिसके पास ताकत नहीं है, उससे इस बात की कीमत अवश्य वसूली जानी चाहिए।

पशु बचेंगे तो बचेगा प्रकृति का संतुलन और मानव का भविष्य

योगेश कुमार गोयल

पशुओं के कल्याण मानकों में सुधार को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 4 अक्टूबर को 'विश्व पशु कल्याण दिवस' मनाया जाता है। विश्व पशु दिवस पहली बार बर्लिन में 24 मार्च 1925 को पशु कल्याण के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मनाया गया था। पशुओं की लुप्तप्राय प्रजातियों की दुर्दशा को उजागर करने के लिए इटली के फ्लोरेंस में 1931 में आयोजित पारिस्थितिकीविदों के एक सम्मेलन में विश्व पशु दिवस की शुरुआत की गई और तब असीसी के सेंट प्रॉसिस के पर्व के कारण यह दिवस मनाने के लिए प्रतिवर्ष 4 अक्टूबर को ही चुना गया। 2003 में पहली विश्व पशु दिवस वेबसाइट यूके स्थित पशु कल्याण चैरिटी 'नेचर वॉच फाउंडेशन' द्वारा लांच की गई थी। इस दिन पशु अधिकारों को बढ़ावा देने वाले व्यक्तियों एवं संगठनों का समर्थन करके जानवरों के प्रति प्यार, देखभाल, स्नेह और

सुरक्षा को प्रोत्साहित करता है। पशुओं के अधिकारों के लिए यह एक ऐसी वैश्विक पहल है, जिसका प्रमुख उद्देश्य पशु कल्याण के लिए बेहतर मानक सुनिश्चित करना है। पशु प्रेम के बारे में महात्मा गांधी कहते थे कि किसी राष्ट्र की महानता और उसकी नैतिक प्रगति का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि वहां जानवरों के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है। पशु मानव जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो न केवल हमारे जीवन को समृद्ध बनाते हैं बल्कि हमें बेहतर इंसान भी बनाते हैं। पारिस्थितिकी तंत्र में सभी जानवर प्रकृति की पारिस्थितिकी को संतुलित रखते हुए हमारे पर्यावरण की रक्षा करते हैं, जिससे संतुष्ट के समय बचा जा सकता है। गरीबी से त्रस्त परिवारों के लिए तो पशुधन ग्रामीण मुद्गाई है, जो खासकर गरीब परिवारों के लिए बीमा विकल्प के रूप में भी कार्य करता है क्योंकि यह उनके लिए ऐसी सम्पति है, जिसे संतुष्ट के समय बचा जा सकता है। यही कारण है पालतू पशुओं को 'पशुधन' कहा जाता है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में भी पशुधन की बड़ी भागीदारी रही है। मानव और पशुओं के आपसी संबंध मानव जीवन के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं क्योंकि पशुओं का मानवीय समाज में विभिन्न रूपों में योगदान होता है। पशुओं के साथ रहने से हमें

पशु दिवस विश्वभर में कल्याण मानकों के मिशन के साथ जानवरों को जल्द ही को बेहतर बनाने के लिए एक ऐसा सामाजिक आन्दोलन है, जो प्रतिवर्ष एक निर्धारित थीम के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष 'विश्व पशु कल्याण दिवस' की थीम है 'उनकी नजरों से दुनिया को देखें'। भारत में करीब 70 फीसद आबादी कृषि तथा कृषि संबंधी व्यवसायों पर निर्भर है। प्राचीन काल से ही पशुपालन और कृषि व्यवसायों का आपस में गहरा संबंध रहा है। गरीबी से त्रस्त परिवारों के लिए तो पशुधन ग्रामीण मुद्गाई है, जो खासकर गरीब परिवारों के लिए बीमा विकल्प के रूप में भी कार्य करता है क्योंकि यह उनके लिए ऐसी सम्पति है, जिसे संतुष्ट के समय बचा जा सकता है। यही कारण है पालतू पशुओं को 'पशुधन' कहा जाता है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में भी पशुधन की बड़ी भागीदारी रही है। मानव और पशुओं के आपसी संबंध मानव जीवन के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं क्योंकि पशुओं का मानवीय समाज में विभिन्न रूपों में योगदान होता है। पशुओं के साथ रहने से हमें

स्वाभाविक संवेदनशीलता, प्यार, सहयोग और उन्नति का अनुभव होता है। बहुत से पशु-पक्षी तो ऐसे हैं, जो यदि धरती पर नहीं हों तो पृथ्वी पर मनुष्य का जीना ही मुश्किल हो जाएगा। अनेक मामलों में देखा जाता है कि मानवीय स्वार्थ के लिए कई जानवरों की निर्मम हत्या कर दी जाती है। दरअसल इन पशुओं के विभिन्न अंग तथा उनके मल-मूत्र इत्यादि दवाईयां बनाने से लेकर खेतीबाड़ी तक में काम आते हैं और इनके कंकाल उर्वरक का काम करते हैं। हार्थियों को हाथी दांत और गैंडे उसके सींगों के लिए बेदर्राई से मौत के घाट उतार दिया जाता है जबकि उनकी प्राकृतिक मौत होने पर ये चीजें वैसे ही मिल जाती होती हैं। हाथी और गैंडे कीचड़ में रहकर दूसरे जानवरों के पीने के लिए फिनारें पर पानी का इंतजाम करते हैं और सूखा नहीं पड़ने देते। हाथी जमीन को उखाड़ बना सकता है जबकि गैंडा कीचड़ में रहकर मिट्टी की अदला-बदली का काम करता है और प्रतिदिन करीब हजार किलो वनस्पति की खुराक होने से जंगल में कूड़ा-ककई नहीं

होने देता। उसके शरीर पर फसल के लिए हानिकारक कीड़े जमा हो जाते हैं, जो पक्षियों का भोजन बनते हैं। इस प्रकार गैंडे प्राकृतिक संतुलन बनाए रखते हैं। वैसे तो सभी पशु-पक्षी मनुष्य के सहायक होते हैं लेकिन उनके व्यवहार को समझे बगैर यदि उनके रहने की जगहों को उजाड़ने के प्रयास किए जाते हैं तो वे हिंसक होकर विनाश कर सकते हैं।

तुर्की के विख्यात नाटककार, उपन्यासकार और विचारक मेहमत मूरत इल्डन का कहना था कि दुनिया में वन्यजीवों की रक्षा केवल दुनिया दिलों के प्यार से ही की जा सकती है। वाइल्ड हाट वाइल्ड लाइफ फाउंडेशन के संस्थापक पॉल ऑक्सनद कहते थे कि जब तक आपके भीतर प्रकृति के बीच रह रहे जंगली जीवों के प्रति ढेर सारा प्यार, दया और लगाव नहीं रहेगा, तब तक आप सच्चा सुख हासिल नहीं कर पाएंगे। मानव जाति को यह समझना होगा कि पशुओं का जीवन किसी भी तरह से हमारे जीवन से कम कीमती नहीं है। 'जैव विविधता के जनक' के नाम से विख्यात आधुनिक काल

के डार्विन कहे जाने वाले हार्वर्ड विश्वविद्यालय के पूर्व जीवविज्ञानी और पुस्तित्तर पुरस्कार विजेता ईओ विल्सन के अनुसार पृथ्वी पर प्रत्येक प्रजाति अत्यधिक देखभाल एवं प्रतिभा के साथ बनाई गई रचना और एक उत्कृष्ट कृति है। वन्यजीव फोटोग्राफर, प्रकृतिवादी और 'जॉय ऑफ बीयर्स' सहित कुछ पुस्तकों की लेखिका सिल्विया डोल्सन कहती हैं कि हमारी ही तरह जानवर भी प्यार, खुशी, डर और दर्द महसूस करते हैं लेकिन वे बोले गए शब्द को समझ नहीं पाते, अतः यह हमारा दायित्व है कि हम उनकी ओर से बोलें और सुनिश्चित करें कि उनकी भलाई और जीवन का सम्मान एवं सुरक्षा हो। इसके लिए प्रकृति एवं पशुओं के साथ अपने संबंधों में मनुष्य को सभ्य बनाना आवश्यक है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, पर्यावरण विषयों के जानकार और चर्चित पुस्तक ‘प्रदूषण मुक्त सांस’ के लेखक हैं)

(यह लेखक के व्यक्तितगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

हरिओम जिंदल: शिक्षा, अधिकार और स्वावलंबन की समकालीन कथा

कुमार कृष्णन

वर्ष 2014 में लुधियाना के हम्बान रोड स्थित डेयरी कोषीयस की झुग्गी में 12 बच्चों से शुरू हुई एक छोटी-सी कक्षा आज हरिओम जिंदल की पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इनमें कई बच्चे ऐसे परिवारों से आते थे, जिनकी रोजी-रोटी कूड़ा बीनने जैरे कामों पर निर्भर थी। एक झोपड़ी में शुरू हुई पढ़ाई धीरे-धीरे कई बसियों तक पहुंची। आज सैकड़ों बच्चे इससे जुड़े हैं। लेकिन नस पहल का महत्व केवल इस बात में नहीं है कि कितने बच्चे पढ़ रहे हैं। इसका महत्व इस बात में है कि उन्हें क्या और किस उद्देश्य से पढ़ाया जा रहा है।हरिओम जिंदल की शिक्षा-दृष्टि में अशरजान के साथ सविधान, लोकतंत्र, चुनाव, प्रशासन और अधिकार शामिल हैं। वे बच्चों को केवल स्कूल में दाखिला दिलाने तक सीमित नहीं रहते, बल्कि उनके परिवारों को राशन का दान, कानूनी सहायता और दूसरी प्रशासनिक प्रक्रियाओं तक पहुंच बनाने में भी मदद करते हैं। इसीलिए उनका काम सामान्य अर्थ में शिक्षा सेवा से आगे जाकर नागरिक सशक्तीकरण का रूप लेता है।
यहीं से हरिओम जिंदल और महात्मा गांधी के संबंध को समझने की जमीन तैयार होती है। यह संबंध किसी औपचारिक संगठनात्मक संबद्धता का नहीं, बल्कि विचार और कार्यपद्धति की समानताओं का संबंध है। जिंदल को

गांधी का प्रतिरूप कहना न तो जरूरी है और न ऐतिहासिक रूप से उचित। अधिक महत्वपूर्ण यह देखना है कि गांधी के कुछ मूल प्रश्न आज उनके काम में किस नए रूप में दिखाई देते हैं। गांधी के सामाजिक चिंतन में ‘अंतिम व्यक्ति’ एक अवधारणा केंद्रीय थी। किसी नीति या विकास की उपयोगिता को परखते समय समाज के उस व्यक्ति को याद करना जो सबसे कमजोर है—गांधी की नैतिक कसौटी का हिस्सा था। आज के शहरी भारत में झुग्गी का वह बच्चा, जो गरीबी और अवसरों की कमी के कारण शिक्षा से बाहर रह जाता है, इस कसौटी का एक समकालीन रूप हो सकता है। जिंदल ने अपने काम का केंद्र ऐसे ही बच्चों को बनाया है। इसका अर्थ यह नहीं कि उन्होंने गांधी के ‘अंतिम व्यक्ति’ की अवधारणा को हूबहू अपना लिया है। गांधी की चिंता व्यापक सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक व्यवस्था से जुड़ी थी, जबकि जिंदल का काम मुख्यतः वंचित बच्चों की शिक्षा और अधिकारों पर केंद्रित है। फिर भी दोनों के बीच एक महत्वपूर्ण साझा प्रश्न है— समाज की प्रगति का अर्थ उस व्यक्ति के जीवन में क्या बदलाव आया जो सबसे पीछे है? यही सवाल जिंदल के झुग्गी में स्कूल शुरू करने के निमित्त भी को महत्वपूर्ण बनाता है। सामान्य व्यवस्था में बच्चे से अपेक्षा की जाती है कि वह विद्यालय तक पहुंचे। लेकिन जब परिवार अस्थिर आय, दस्तावेजों

की कमी, सामाजिक उपेक्षा या रोजमर्रा की मजबूरियों से जूझ रहा हो, तब विद्यालय की उपलब्धता और शिक्षा की वास्तविक पहुंच को अलग बांट हो जाती हैं। जिंदल ने शिक्षा को बच्चे के पास ले जाने की कोशिश की। झुग्गी में कक्षा शुरू करना इसलिए केवल सुविधा का मामला नहीं था। यह शिक्षा की उस धारणा को चुनौती थी जिसमें गरीब बच्चे की अनुपस्थिति को उसकी व्यक्तितगत कमी मान लिया जाता है। यहाँ गांधी की कार्यपद्धति की एक प्रतिध्वनि दिखाई देती है—समस्या के बारे में बोलने के बजाय समस्या के बीच जाकर काम करना। जिंदल की शिक्षा पद्धति का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष है—अक्षर से अधिकार तक की यात्रा। बच्चों को वर्णमाला के अक्षरों से प्रशासन, मतपट्टी, संविधान, लोकतंत्र और चुनाव जैसे शब्दों से परिचित कराने की कोशिश की जाती है। उन्होंने इस दृष्टिकोण को ‘ज्ञान के माध्यम से सशक्तीकरण’ नामक पुस्तक में भी व्यक्त किया है। इसका महत्व केवल लिखन की नवीनता में नहीं है। यह शिक्षा के उद्देश्य पर एक नया दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। क्या शिक्षा केवल पढ़ने-लिखने की क्षमता पैदा करे या व्यक्ति को अपने समाज और व्यवस्था को समझने की क्षमता भी दे? गांधी की ‘नई तालीम’ का मूल आग्रह शिक्षा को जीवन और श्रम से जोड़ना था। उनके लिए शिक्षा केवल परीक्षा और प्रमाणपत्र की व्यवस्था नहीं थी। जिंदल की कक्षा में सविधान, लोकतंत्र और

अधिकारों को बच्चों की रोजमर्रा की जिंदगी से जोड़ना इसी व्यवस्था विचार की समकालीन व्याख्या के रूप में देखा जा सकता है। अंतर यह है कि गांधी के समय राष्ट्रीय मुक्ति और स्वराज प्रमुख प्रश्न थे, जबकि आज इन बच्चों के सामने संवैधानिक अधिकार, अवसर और नागरिक भागीदारी के प्रश्न अधिक प्रत्यक्ष हैं। इसलिए गांधी और जिंदल के बीच संबंध को ‘विचार की निरंतरता’ से अधिक ‘विचार के पुनर्प्राप्ि के रूप में समझना उचित होगा। गांधी के विचार में स्वावलंबन का विशेष महत्व था। चरखा केवल धागा बनाने का उपकरण नहीं था; वह निर्भरता के विरुद्ध आत्मबल और उत्पादन की भावना का प्रतीक था। जिंदल के काम में कंप्यूटर शिक्षा दिखाई देती है। पहली नजर में चरखे और कंप्यूटर में कोई समानता नहीं है। ऐतिहासिक संदर्भ और तकनीक दोनों अलग हैं। फिर भी दोनों को एक व्यापक प्रश्न के स्तर पर देखा जा सकता है—क्या व्यक्ति दूसरों पर निर्भर रहने के बजाय अपने कौशल और श्रम से सक्षम बने? जिंदल द्वारा बच्चों को कंप्यूटर का प्रशिक्षण देना इसी अर्थ में आधुनिक स्वावलंबन की दिशा में एक कदम माना जा सकता है। यह गांधी की तकनीकी दृष्टि की प्रतिकृति नहीं है। बल्कि स्वावलंबन के मूल विचार को बदलती तकनीकी दुनिया में समझने का प्रयास है। आज डिजिटल ज्ञान से वंचित रहना भी अवसरों से वंचित होने का कारण बन सकता है। जिंदल के

काम का एक और महत्वपूर्ण पक्ष दान और अधिकार के बीच का अंतर है। गरीब बच्चों को भोजन, कपड़े या दूसरी वस्तुएं दान तकमाल दे द सकता है। लेकिन इससे गरीबी की संरचनात्मक समस्या हल नहीं होती। जिंदल का जोर शिक्षा और अधिकार पर है। उनका बच्चों से यह कहना कि मुफ्त मिठाई या सामान लेने के बजाय शिक्षा को अपनी वास्तविक ताकत बनाएं, इसी दृष्टिकोण को व्यक्त करता है। यहाँ गांधी के स्वावलंबन और मानवीय गरिमा के विचार से संबंध दिखाई देता है। सहायता, यदि व्यक्ति को स्थायी रूप से निर्भर बना दे तो वह सशक्तीकरण का विकल्प नहीं हो सकती। शिक्षा व्यक्ति को अपने अधिकार समझने और अपने भविष्य पर कुछ नियंत्रण हासिल करने की क्षमता देती है। जिंदल की कानून की पढ़ाई और उसका सामाजिक उपयोग भी इस संदर्भ में उल्लेखनीय है। वे पहले अंतरराष्ट्रीय शिपिंग व्यवसाय से जुड़े थे। बाद में कानून की पढ़ाई की और वंचित बच्चों तथा उनके परिवारों के अधिकारों से जुड़े काम में लग गए। पेशेवर की जानकारी को वे केवल केशवरां योयता के रूप में नहीं, बल्कि सामाजिक हस्तक्षेप के साधन के रूप में इस्तेमाल करते हैं।

यहां गांधी के साथ एक समानता दिखाई देती है। जिंदल अंतर को बनाए रखना भी जरूरी है। गांधी स्वयं कानून के पेशे से आए थे, लेकिन उनका जीवन आगे चलकर व्यापक सामाजिक और राजनीतिक आंदोलन में बदल गया।

जिंदल का काम मुख्यतः बाल शिक्षा, अधिकार और स्थायी सामाजिक हस्तक्षेप पर केंद्रित है। इसलिए समानता से अधिक इस प्रश्न में है कि गांधी और योयता का उपयोग समाज के कमजोर वर्ग के लिए किस तरह किया जाए। जिंदल की कक्षा में सविधान और लोकतंत्र का प्रवेश गांधी और आधुनिक भारत के बीच एक और महत्वपूर्ण विस्तार बनाता है। गांधी के सिंधधान की विचारधारा का सीधा प्रवक्ता मानना ऐतिहासिक रूप से उचित नहीं होगा। लेकिन उनके सत्य, अहिंसा, समानता, गरिमा और अंतिम व्यक्ति की चिंता को स्वतंत्र भारत की संवैधानिक नारिरकता के संदर्भ में पढ़ा जा सकता है। जिंदल का काम इसी संभावना को जमीन देता है। एक झुग्गी का बच्चा जब सविधान, चुनाव और अपने अधिकारों के बारे में सीखता है तो वह केवल साक्षर नहीं हो रहा होता; वह अपने नागरिक अस्तित्व से परिचित हो रहा होता है। यही वह बिंदु है जहां गांधी केवल स्मृति नहीं रह जाते, बल्कि प्रश्न बन जाते हैं—स्वतंत्र भारत में सबसे गरीब बच्चे को स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ क्या मिला? क्या उसके पास शिक्षा का अवसर है? क्या वह प्रशासन तक पहुंच सकता है? क्या वह अपने अधिकारों को समझता है? क्या लोकतंत्र में उसकी आवाज का कोई स्थान है? हरिओम जिंदल का काम इन प्रश्नों का कोई अंतिम उत्तर नहीं देता, लेकिन उन्हें बच्चों की शिक्षा के माध्यम से सामने जरूर रखता है।



मेघ राशि: आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। मित्र और सहकर्मी आज आपके प्रयासों में आपका सहयोग करेंगे। आपको अपने कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी। आज आपको यात्राएं लाभदायक सिद्ध होंगी। आप अपने परिवारजनों और मित्रों के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे। आज आपको नौकरी में प्रमोशन मिलने के योग बन रहे हैं।

वृष राशि: शिक्षक आज किसी मीटिंग में शामिल होंगे। आज बड़ों से कुछ नया सीखने को मिलेगा, जो आज चलकर आपके काम आएगा। वक्त फ्रॉम होम कर रही महिलाओं का काम अच्छा चलेगा। आज आपके आय-व्यय में समानता बनी रहेगी। आप किसी ऐसे व्यक्ति के संपर्क में आ सकते हैं, जो भविष्य में आपके जीवन में प्रभावशाली भूमिका निभाएगा।

मिथुन राशि: आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज बेटी के करियर को लेकर किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आज के दिन आप कुछ नया करने की कोशिश कर सकते हैं आपको अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। आज किया गया उचित निवेश भविष्य में बहुत लाभ देगा।

कनूर राशि: आज का दिन कार्य क्षेत्र में अच्छा लाभ दिलाने वाला है। संतान की चिंता कम होगी, अच्छी जॉब लगने से घर में उत्सव सा माहौल बना रहेगा। नया वाहन खरीदने की उत्सुकता आपके मन में रहेगी। आयात-निर्यात का काम कर रहे लोगों को सफलता मिलेगी। आज आपको उधार लेतेदेने से बचना चाहिए। आज आपके शत्रु पक्ष आपकी दूरी बनाकर रहेंगे। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करने से कुछ लोग आपका विरोध कर सकते हैं ।

सिंह राशि: आज आपका दिन आपके लिए खुशियों की सोगात लेकर आएगा। किसानों को अपने श्रम का अच्छा लाभ मिलेगा। आपका स्वास्थ्य रोज की अपेक्षा अच्छा रहने वाला है। पारिवारिक परिस्थितियों में पहले से बेहतर सुधार आएगा। आप किसी के साथ बेवजह उलझने से बचें। दूसरों के सामने अपनी बात खुलकर रखने का मौका मिलेगा। आज आपको थोड़ा मानसिक परिश्रम करना पड़ सकता है।

कन्या राशि:आज आपका दिन खुशनुमा पल लेकर आया है। विद्यार्थियों को करियर का चुनाव के लिए अच्छे अवसर मिलेंगे। आज आप किसी काम में पूरी तरह व्यस्त रहेंगे। आज आपको प्रापटी खरीदने से लाभ मिलेगा। आज लिए गए व्यावसायिक निगम्य भविष्य में लाभकारी सिद्ध होंगे। अपने काम को किसी नए तरीके से करने की कोशिश करेंगे। कपड़ों का कारोबार कर रहे लोगों को रोज की अपेक्षा ज्यादा लाभ होगा।

तुला राशि: आज आपका दिन उत्साह से भरा रहने वाला है। धार्मिक कार्यों में आपकी रूचि बढ़ेगी। अधिकांशियों के सहयोग से आर्थिक के रस्ते काम में सफलता मिलेगी। आज परिवारजनों के साथ प्यार और स्नेह बढ़ेगा। बाहर के खान-पान से परहेज करें। आज कोई बड़ा और अलग काम करने की सोच सकते हैं। संतान के साथ किसी विषय पर चर्चा करेंगे, उनके बेहतर करियर के लिए कुछ खर्च सलाह देंगे।

वृश्चिक राशि: आज आपको करियर में नई ऊंचाइयां मिलेंगी। बिजनेस के लिहाज से दिन बेहतर होगा। आज आपके परिवार के लोग आपसे प्रसन्न रहेंगे। आज किसी बड़े मामले पर समझौता और सहयोग करने के लिए तैयार रहें। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने के लिए फॉर्म भरेंगे। दाम्पत्य जीवन अच्छा रहने वाला है।

धनु राशि: आज आपका दिन कॉम्फिडेंस से भरा रहेगा। आज आपका मनचहा काम पूरा होने का योग बन रहा है। घर बना रहे लोगों का काम आए बहेगा। आज आप घर पर अलग-अलग पकवानों का आनंद लेंगे। आज बेटी को सफलता मिलेगी, जिससे लोग आपको बधाई देंगे। इस राशि के जिन लोगों का आज बर्धई है वो अपने दोस्तों को किसी अच्छे रेस्टोरेंट में पाटी देंगे।

मकर राशि: आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। विद्यार्थियों को अपने सहायियों की मदद मिलेगी, जिससे दोस्ती में मिठास बढ़ेगी। पारिवारिक समस्याएं खत्म होंगी, घर में सुख शांति का माहौल बनेगा। कार्य क्षेत्र में आ रही बाधाएं आज समाप्त होंगी, काम करने में सरलता होगी। आपका मन ईश्वर की भक्ति में लगा रहेगा। ख़रदर की कोई किताब पब्लिश हो सकती है, जिस लोगों द्वारा काफी पसंद किया जाएगा।

कुंभ राशि: आज आपकी दिनचर्या अच्छी रहेगी। आज आपके विरोधी आपसे दूर रहेंगे। आज आप किसी नए विषय पर गहरावों से चर्चा करेंगे, आपके विचारों से लोग सहमत होंगे। नया रोजगार मिलने से आर्थिक स्थिति में बेहतर सुधार आएगा। दोस्तों से काफी दिन बाद... फोन पर बात होंगे। कुक्क वर्ग को खेती में अच्छा लाभ होगा, जिससे उनका मन खुशहाल रहने वाला है।

मीन राशि:आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। आज आपको अपनी मनपसंद की कंपनी में इंटरव्यू के लिए बुलाया जा सकता है। इस राशि के उभरते हुए लेखकों के लिए आज का दिन बेहतरीन रहने वाला है। आपके लेख या आपकी पुस्तक प्रसिद्ध प्रकाशक के द्वारा प्रकाशित हो सकती है। सकारात्मक सोच के साथ आपके रुके काम बन जाएंगे।

संपादकीय

नेक्स्ट-जेनरेशन जीएसटी और भारत के विकास का अगला चरण

श्रीमती निर्मला सीतारमण

विकसित भारत बनने के भारत के संकल्प के लिए एक ऐसी अर्थव्यवस्था की आवश्यकता है जिसमें हर स्तर और आकार के उद्यम फल-फूल सकें, चाहे उनकी शुरुआत कहीं से भी हुई हो। पिछले बारह वर्षों में हमारी सरकार ने इन अनुकूल परिस्थितियों के निर्माण के लिए निरंतर कार्य किया है। वर्ष 2017 में जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) लागू होने से अप्रत्यक्ष कराधान के लिए एक साझा राष्ट्रीय ढांचा स्थापित हुआ। नेक्स्ट- जेनरेशन का जीएसटी नौ वर्षों के क्रियान्वयन तथा करदाताओं और राज्यों के अनुभवों के आधार पर इसी प्रयास को आगे बढ़ाता है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप, नेक्स्ट-जेनरेशन जीएसटी की परिकल्पना दो परस्पर जुड़े उद्देश्यों के साथ की गई थी: कर दरों को कम व

तर्कसंगत बनाना और अनुपालन को अधिक सरल बनाना। दरों में किए गए संशोधन 22 सितंबर 2025 से प्रभावी हुए। क्रियात्मक जो सुधारों का अगला चरण शीघ्र ही जीएसटी परिषद के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। सम्मिलित रूप से, इन प्रयासों का उद्देश्य परिवारों को राहत देना, व्यवसायों को अधिक निश्चितता प्रदान करना और करदाताओं के लिए एक ऐसी प्रणाली सुनिश्चित करना है जिसमें वे बिना किसी अनावश्यक कठिनाई के अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकें। राज्य इस पूरी यात्रा में बराबर के साझेदार रहे हैं। वे परिषद में

अपनी प्राथमिकताओं और अनुभवों को लेकर आए, निर्णयों को आकार देने में सहयोग किया और उनके क्रियान्वयन का दायित्व संभाला। मैं इस प्रतिबद्धता के लिए उनका आभार व्यक्त करती हूँ। जीएसटी की प्रगति प्रत्येक सरकार के उत्तरदायित्वों का सम्मान करते हुए एक साझा राष्ट्रीय लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने की इसी तत्परता पर टिकी है। इसके परिणाम विश्वास को सुदृढ़ करते हैं। अक्टूबर 2025 से जुलाई 2026 के बीच, दर्ज की गई कर-योग्य आपूर्ति के मूल्य में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 25.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कर दरों की हल्की संरचना के साथ-साथ दर्ज आर्थिक गतिविधियों में भी व्यापक विस्तार देखा गया है। यह उस सुधार के लिए एक अत्यंत उत्साहवर्धक आधार है जिसका उद्देश्य उद्यमों और सार्वजनिक वित्त दोनों को संतुल प्रदान करना है।

यह सुदृढ़ता हालिया राजस्व आंकड़ों में स्पष्ट दिखाई देती है। अप्रैल-सितंबर 2026 के दौरान सकल जीएसटी संग्रह 12.46 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि से 11.6 प्रतिशत अधिक है। जून से सितंबर तक के प्रत्येक महीने में वार्षिक आधार पर दोहरे अंकों में वृद्धि दर्ज की गई; इन चार महीनों का कुल संग्रह मिलकर लगभग 15 प्रतिशत की गति से बढ़ा। कर वापसी (रिफंड) के बाद शुद्ध संग्रह में भी इस छमाही के दौरान 10.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

इन प्रकर, करदाताओं की गई राहत और विकास के लिए उपलब्ध संसाधनों में वृद्धि साथ-साथ हुई है। इस विस्तार का दायरा उसके पैमाने जितना ही महत्वपूर्ण है। सभी 11 क्षेत्रक समूहों और सभी प्रमुख राज्यों में दर्ज कर-योग्य आपूर्ति में वृद्धि देखी गई। भारत जैसी विविध अर्थव्यवस्था में यह व्यापक प्रसार अत्यंत महत्वपूर्ण है। विभिन्न क्षेत्रों और भौगोलिक हिस्सों में होने वाली यह वृद्धि अधिक से अधिक व्यवसायों को विस्तार लेते बाजारों में भाग लेने का अवसर देती है, और इसके परिणामस्वरूप उत्पन्न मांग, निवेश तथा रोजगार से अधिकाधिक समुदायों को लाभान्वित करती है।

सुधार के बाद की अवधि की तुलना में उपभोक्ताओं को की गई प्रत्यक्ष छिन्नी (बी2सी) में भी 26.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। जब कर राहत का प्रभाव कीमती में दिखाई देता है, तो परिवारों के पास अन्य आवश्यकताओं को पूरा करने या बचत करने के लिए अधिक गुंजाइश होती है। उपभोक्ता राहत और उद्यम विकास आपस में गहराई से जुड़े हैं: परिवारों की क्रय शक्ति व्यवसायों द्वारा दी जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं की मांग को बनाए रखती है। इसका लाभ परिवार से लेकर खुदरा विक्रेता, आपूर्तिकर्ता और उत्पादक तक सभी तक पहुंचता है।

लघु और मध्यम उद्यमों के लिए एक राष्ट्रीय बाजार तभी सार्थक होता है जब वह उनके स्थानीय परिवेश से परे ग्राहकों तक पहुंचने का व्यावहारिक मार्ग प्रशस्त करे। द्वितीय और तृतीय श्रेणी के शहरों के व्यवसायों को स्थानीय स्तर पर निवेश और रोजगार सृजि रखते हुए ऐसे संबंध बनाने में सक्षम होना चाहिए। वहीं दूसरी ओर,

इन शहरों में विस्तार करने वाले उद्यम स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं और वितरकों के लिए नए अवसर सृजित कर सकते हैं। जीएसटी का साझा ढांचा इन कड़ियों को सुदृढ़ करता है; और सरल प्रशासनिक व्यवस्था को इन्हें बनाए रखना और भी सहज बनाता होगा। इस व्यवस्था में सहभागिता अत्यंत व्यापक रही है। अगस्त के अंत तक केंद्र और राज्य क्षेत्राधिकारों के अंतर्गत कुल जीएसटी पंजीकरण लगभग 1.71 करोड़ तक पहुंच गए, जो एक वर्ष पहले की तुलना में लगभग 15 प्रतिशत अधिक हैं। अप्रैल-जुलाई 2026 की कर अवधियों के लिए, निर्धारित तिथि तक दाखिल किए गए जीएसटी-अ-3बी रिटर्न पिछले वर्ष की समान अवधियों की तुलना में 12.6 प्रतिशत अधिक थे। ये सुधार प्रशासन पर एक समान दायित्व भी डालते हैं: नियमित अनुपालन को विश्वसनीय सेवा, स्पष्ट मार्गदर्शन और समस्याओं के समयबद्ध समाधान द्वारा समर्थित किया जाना चाहिए। इनपुट टैक्स क्रेडिट की कार्यप्रणाली इस अनुभव का एक अन्य महत्वपूर्ण हिस्सा है। सुधार-उपरांत अंकड़ दर्शाते हैं कि इनपुट टैक्स क्रेडिट के माध्यम से चुकाई गई कर देयता का अनुपात बढ़ा है, जबकि कर-योग्य आपूर्ति के सापेक्ष संचित क्रेडिट में कमी आई है। यह उन व्यवसायों के लिए उत्साहवर्धक है जो पात्र क्रेडिट के प्रभावी उपयोग पर निर्भर करते हैं। किसी छोटे उद्यम के लिए उसकी कार्यशील पूंजी ही यह तथ्य करती है कि वह कितनी सुगमता से कच्चा माल खरीद सकता है, कोई ऑर्डर पूरा कर सकता है

और अगला काम हाथ में ले सकता है। कर वापसी (रिफंड) भी उतनी ही प्रासंगिक है। अप्रैल-सितंबर के दौरान लगभग 1.80 लाख करोड़ रुपये की धनराशि रिफंड के रूप में लौटाई गई। व्यवसायों के प्रायः बकाये को वापस लौटाना एक सुव्यवस्थित कर प्रणाली का अनिवार्य अंग है। इस प्रक्रिया में अधिक निश्चितता और पूर्वानुमेयता उद्यमों को अधिक आत्मविश्वास का एक प्रमुख पैमाना होता है। राज्यों की राजस्व स्थिति भी अधिक सुदृढ़ हुई है। इस वर्ष अप्रैल-सितंबर के दौरान एकीकृत माल और सेवा कर (आईजीएसटी) निपटान में उनके हिस्से सहित राज्यों की कुल एसजीएसटी प्रणितियों में लगभग 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई। ये संसाधन बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक सेवाओं में निवेश को गति प्रदान करते हैं, जिससे परिवारों और उद्यमों को अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए बेहतर परिेश मिलता है। इस प्रकार, ये लाभ एक-दूसरे को सशक्त बनाते हैं: परिवारों को मिलने वाली राहत मांग को बढ़ावा देती है, उद्यम आर्थिक गतिविधियों को सुदृढ़ करते हैं, और सार्वजनिक राजस्व विकास को निरंतर बनाए रखने में सहायक होता है। यह अनुभव भविष्य में किए जाने वाले कार्यों को भी रेखांकित करता है। एक विकासशील प्रणाली को इस बात के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए कि छोटे प्रतिभागियों पर इसका कितना



मेघ राशि: आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। मित्र और सहकर्मी आज आपके प्रयासों में आपका सहयोग करेंगे। आपको अपने कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी। आज आपको यात्राएं लाभदायक सिद्ध होंगी। आप अपने परिवारजनों और मित्रों के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे। आज आपको नौकरी में प्रमोशन मिलने के योग बन रहे हैं।

वृष राशि: शिक्षक आज किसी मीटिंग में शामिल होंगे। आज बड़ों से कुछ नया सीखने को मिलेगा, जो आज चलकर आपके काम आएगा। वक्त फ्रॉम होम कर रही महिलाओं का काम अच्छा चलेगा। आज आपके आय-व्यय में समानता बनी रहेगी। आप किसी ऐसे व्यक्ति के संपर्क में आ सकते हैं, जो भविष्य में आपके जीवन में प्रभावशाली भूमिका निभाएगा।

मिथुन राशि: आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज बेटी के करियर को लेकर किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आज के दिन आप कुछ नया करने की कोशिश कर सकते हैं आपको अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। आज किया गया उचित निवेश भविष्य में बहुत लाभ देगा।

कनूर राशि: आज का दिन कार्य क्षेत्र में अच्छा लाभ दिलाने वाला है। संतान की चिंता कम होगी, अच्छी जॉब लगने से घर में उत्सव सा माहौल बना रहेगा। नया वाहन खरीदने की उत्सुकता आपके मन में रहेगी। आयात-निर्यात का काम कर रहे लोगों को सफलता मिलेगी। आज आपको उधार लेतेदेने से बचना चाहिए। आज आपके शत्रु पक्ष आपकी दूरी बनाकर रहेंगे। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करने से कुछ लोग आपका विरोध कर सकते हैं ।

सिंह राशि: आज आपका दिन आपके लिए खुशियों की सोगात लेकर आएगा। किसानों को अपने श्रम का अच्छा लाभ मिले

मेसी ने अर्जेंटीना के लिए अपने आखिरी मैच में पेनल्टी पर किया गोल, दो गोल में दिया सहयोग

एजेंसी, ब्यूनस आयर्स

लियोनेल मेसी ने मंगलवार को ब्यूनस आयर्स के एस्टाडियो मोनुमेंटल स्टेडियम में बेनिन के खिलाफ अर्जेंटीना के लिए अपने अंतिम मैच को गोल और दो सहायताओं के साथ यादगार बना दिया। मेसी ने पेनल्टी पर गोल करते हुए अपनी विदाई को शानदार अंदाज में पूरा किया। 39 वर्षीय मेसी ने अर्जेंटीना के फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल में स्पेन के हाथों 0-1 की करीबी हार के कुछ दिन बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा की थी। इसके बाद बेनिन के खिलाफ मुकाबला अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम के साथ उनका विदाई मैच बना। मैच में मेसी ने दूसरे हाफ में दो गोल में सहयोग करते हुए अर्जेंटीना को 2-0 की बढ़त दिलाई। उन्होंने 48वें मिनट में अपने लंबे समय से टीम के साथी निकोलस ओटामेंडी को गोल करने में मदद



की। ओटामेंडी का भी यह अर्जेंटीना की जर्सी में आखिरी मुकाबला था। इसके बाद मेसी ने 61वें मिनट में निको पाज के गोल में सहयोग किया। पाज को अर्जेंटीना के लिए दाएं विंग में मेस्सी के संभावित उत्तराधिकारी

के रूप में देखे जाने वाले खिलाड़ियों में शामिल किया जाता है। इसके दस मिनट बाद मेसी को खुद गोल करने का मौका मिला। अर्जेंटीना को पेनल्टी मिलने पर मेसी ने जिम्मेदारी संभाली और गेंद को गोलपोस्ट के

ऊपरी दाएं कोने में भेजकर टीम का तीसरा गोल किया। इस तरह मेसी ने अर्जेंटीना के लिए अपने अंतिम मुकाबले में एक गोल और दो गोल में सहयोग के साथ अंतरराष्ट्रीय करियर का यादगार समापन किया।

क्षेत्रीय भाषाओं में क्रिकेट की बढ़ी लोकप्रियता, जियो हॉटस्टार पर कन्नड़ फीड की पहुंच 30 प्रतिशत बढ़ी

एजेंसी, मुंबई

भारत में क्रिकेट देखने के तौर-तरिकों में क्षेत्रीय भाषाओं की भूमिका लगातार मजबूत हो रही है। जियोस्टार ने बुधवार को 'बिर्योन्ड बाउंड्रीज' पहल शुरू करने की घोषणा की, जिसका उद्देश्य विज्ञापनदाताओं को क्षेत्रीय भाषा में क्रिकेट देखने वाले बढ़ते और सक्रिय दर्शकों से जोड़ना है। इस पहल में लाइव क्रिकेट फीड के साथ मैच से पहले और बाद के कार्यक्रमों के लिए साझेदारी के अवसर शामिल हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के दौरान जियोहॉटस्टार पर कन्नड़ फीड की पहुंच में सालाना आधार पर 30 प्रतिशत की



वृद्धि दर्ज की गई, जबकि तेलुगु और तमिल फीड की पहुंच में क्रमशः 23 और 12 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। डिजिटल पर देखने के कुल समय में तेलुगु भाषा की हिस्सेदारी में तीनों बाजारों के बीच सबसे अधिक 30 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसके बाद कन्नड़ और तमिल का स्थान रहा। यह वृद्धि दर्शाती है कि क्रिकेट की खपत अब हिंदी और अंग्रेजी तक

सीमित नहीं है और दर्शक तेजी से ऐसे फीड से जुड़ रहे हैं, जहां लाइव खेल के साथ उनकी भाषा और सांस्कृतिक जुड़ाव भी मौजूद है। प्रत्येक क्षेत्रीय फीड ने अपने-अपने बाजार की घरेलू फ्रेंचाइजी और प्रशंसकों को ध्यान में रखते हुए अलग कार्यक्रम पहचान भी विकसित की। टाटा आईपीएल 2026 में तेलुगु फीड पर 'क्रिकेट विद चाय' और 'अंरिज ओ रंगु', कन्नड़ फीड

पर 'केम्पु सैन्या' और 'इनसाइड आरसीबी' जैसे विशेष कार्यक्रम शामिल रहे। तमिल फीड पर मैच वाले दिन 'इनी सिंगापथई' की थीम के साथ कार्यक्रम पेश किए गए। तीनों बाजारों में उभरती युवा प्रतिभाओं पर भी विशेष खंड प्रसारित किए गए। क्षेत्रीय भाषाओं में कवरेज को 12 भाषाओं में 160 से अधिक कमेंटेटरों और विशेषज्ञों के पैनल ने मजबूती दी। इसमें पूर्व क्रिकेटरों और क्षेत्रीय विशेषज्ञों ने अपने-अपने बाजार में कमेंट्री की। तमिल फीड के पैनल में मुरली विजय और एल. बालाजी के साथ श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर रसेल अर्नाल्ड और आरजे बालाजी शामिल रहे।

गौतम गंभीर ने अजित अगरकर की सराहना की, कहा- इतिहास आपके प्रति अधिक उदार रहेगा

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने बुधवार को चयन समिति के निवर्तमान अध्यक्ष अजित अगरकर की जमकर सराहना की। गंभीर ने कहा कि 'टीम पहले' की सोच और दृढ़ विश्वास ने अगरकर के कार्यकाल में भारत को तीन आईसीसी खिताब जीतने में अहम भूमिका निभाई और "इतिहास आपके प्रति अधिक उदार रहेगा।" अगरकर का चयन समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्यकाल पिछले महीने समाप्त हो गया था। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने मंगलवार को इस पद को भरने के लिए आवेदन आमंत्रित



किए। इससे पहले कई सप्ताह तक अगरकर को कार्यकाल विस्तार दिए जाने को लेकर अटकलें चलती रही थीं। गंभीर ने सोशल मीडिया पर अगरकर के लिए भावुक संदेश साझा करते हुए लिखा, "प्रिय अजित भाई, आपके साथ काम करना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात रही। वे तीन आईसीसी ट्रॉफियां आपके विश्वास

की गवाही देती हैं : हमेशा टीम पहले और टीम से आगे। मुझे कहना होगा कि इतिहास आपके प्रति अधिक उदार रहेगा। हर चीज के लिए धन्यवाद। आपके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी दिल से शुभकामनाएं।" अगरकर के कार्यकाल में भारत ने 2024 और 2026 का टी20 विश्व कप तथा 2025 की चैंपियंस ट्रॉफी जीती। उनके कार्यकाल के दौरान भारतीय टीम में एक महत्वपूर्ण बदलाव का दौर भी आया, जिसमें बल्लेबाजी के दिग्गज विराट कोहली और रोहित शर्मा ने क्रमशः टी20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया। अगरकर को कई मौकों पर कड़े फैसले लेने वाले चयनकर्ता के रूप में देखा गया।

बीसीसीआई महिला अंडर-19 टी-20 ट्रॉफी के लिए हिमाचल की टीम घोषित, धान्य लक्ष्मी को कमान

एजेंसी, धर्मशाला । हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) ने बीसीसीआई महिला अंडर-19 (टी-20) एल्टीट टूर्नामेंट के लिए हिमाचल की टीम घोषित कर दी है। एचपीसीए टीम की कमान धान्य लक्ष्मी को सौंपी गई है। 9 अक्टूबर से शुरू होने वाली इस प्रतियोगिता में हिमाचल की टीम पांच टी-20 मैच खेलेगी। एचपीसीए के मानद सचिव मनुज शर्मा ने बताया कि टीम में हिमानी शर्मा, दिवेशा समरा, साइना चौहान, स्वरा बंसु, अहाना शर्मा, धान्य लक्ष्मी (कप्तान) पल्लवी, अर्चना ठाकुर, कुंजम गिरी, अनाहिता दिग्विजय सिंह, अंशिका सानी, उर्वी शर्मा, स्वास्तिका डी कंवर तथा रिया शर्मा, युक्ति शामिल हैं। इसके अलावा टीम में तिलक राज मुख्य कोच, सुनील कुमार सहायक कोच, वीणा पांडे एस एंड सी, जान्हवी अरोड़ा फिजियो, संदीप कुमार वीडियो एनालिस्ट, ईश्वर दास साइड आर्म तथा गीता मेहता मैनेजर के रूप में शामिल हैं। टी20 इस प्रतियोगिता में हिमाचल की टीम पांच लीग मैच खेलेगी। पहला मैच 9 अक्टूबर को हिमाचल प्रदेश बनाम ओडिशा, 10 अक्टूबर को हिमाचल प्रदेश बनाम बड़ौदा, 12 अक्टूबर को हिमाचल प्रदेश बनाम तमिलनाडु, 14 अक्टूबर को हिमाचल प्रदेश बनाम झारखंड तथा 16 अक्टूबर को गोवा के साथ हिमाचल की भिड़ंत होगी।

बिजनेस

ब्याज दर में बढ़ोतरी से महंगा होगा लोन, बढ़ जाएगा ईएमआई का बोझ

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने देश में महंगाई के दबाव को नियंत्रित करने के लिए नीतिगत दरों में बढ़ोतरी का बड़ा निर्णय लिया है। केंद्रीय बैंक ने रेपो रेट में 25 बेसिस प्वाइंट (0.25 प्रतिशत) का इजाफा कर दिया है, जिसके बाद देश में कर्ज लेना पहले की तुलना में अधिक महंगा हो जाएगा। परेशानी यह है कि ब्याज दरों में तत्काल कटौती की संभावना भी नहीं है। रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए निकट भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की संभावना से साफ इनकार किया है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि रिजर्व बैंक का अगला कदम आर्थिक परिस्थितियों और महंगाई के रुख के आधार पर या तो दरों में और बढ़ोतरी करना होगा या फिर इन्हें इसी स्तर पर थामे रखना होगा। इस फैसले के बाद बैंक थ्रि-थ्रिरे ब्याज दरों में बढ़ोतरी का बोझ ग्राहकों पर



डालना शुरू करेंगे, जिससे आम उपभोक्ताओं के मासिक बजट में बदलाव आना तय है। टीएनवी फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ तारकेश्वर नाथ वैष्णव का मानना है कि भारतीय रिजर्व बैंक के इस कदम का सबसे सीधा और बड़ा असर उन होम लोन धारकों पर पड़ने जा रहा है, जिन्होंने फ्लोटिंग रेट पर कर्ज लिया है। ऐसे कर्ज सीधे तौर पर एक्सटर्नल बेंचमार्क यानी रेपो रेट से जुड़े होते हैं। ब्याज दरों में इस बढ़ोतरी के बाद

बैंकों से मिलने वाले होम लोन की दरें बढ़ जाएंगी। इसकी वजह से या तो ग्राहकों को हर महीने चुकाई जाने वाली किस्त (ईएमआई) की राशि बढ़ानी होगी या फिर उनके कर्ज की अवधि (लोन टेन्योर) लंबी हो जाएगी। तारकेश्वर नाथ वैष्णव के अनुसार मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं, कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव और पश्चिम एशिया के हालात को देखते हुए रिजर्व बैंक ने महंगाई को काबू में

रखने के उद्देश्य से यह सख्त कदम उठाया है। वैष्णव का ये भी कहना है कि ब्याद दर में की गई बढ़ोतरी से त्योहारी सीजन के दौरान रियल एस्टेट मार्केट में चल रही मजबूत मांग और खरीदारों के उत्साह पर कोई खास नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा लेकिन त्योहारी सीजन खत्म होने के बाद रियल एस्टेट सेक्टर बुरी तरह से प्रभावित हो सकता है। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि ब्याज दर में 25 बेसिस प्वाइंट की यह बढ़ोतरी मध्यम वर्ग की जेब पर अच्छा-खासा असर डाल सकती है। तारकेश्वर नाथ वैष्णव का कहना है कि यदि किसी व्यक्ति ने 25 साल की अवधि के लिए 50 लाख रुपये का होम लोन लिया है तो ब्याज दर में इस मामूली वृद्धि के कारण उसकी मासिक ईएमआई करीब 816 रुपये तक बढ़ सकती है। लोन की पूरी अवधि के दौरान इस बढ़े हुए पैसे का कुल बोझ देखें तो ग्राहक को करीब 2.45 लाख रुपये का अतिरिक्त ब्याज चुकाना पड़ेगा।

महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

सराफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट का सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। भाव में आए बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजार में सोना 970 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,060 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। ये चमकीली धातु आज भी मंगलवार के स्तर पर ही बिक रही है। कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,50,230 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,50,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,37,710 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,37,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सराफा बाजार में आज भी 2,34,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,50,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,37,860 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई।

मामूली बढ़त के साथ ब्लैक ओपल कंसल्टेंट्स की स्टॉक मार्केट में एंट्री, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली । रेंजिडेंशियल और कमर्शियल रियल स्टेट प्रोजेक्ट्स की मार्केटिंग के काम में जुटी ब्लैक ओपल कंसल्टेंट्स लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मामूली बढ़त के साथ एंट्री की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 197 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 1.52 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 200 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग होने के बाद बिकवाली शुरू हो गई, जिसके कारण थोड़ी देर में ही ये शेयर गिर कर 190 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गया। हालांकि, कुछ देर बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे लोअर सर्किट ब्रेक हो गया। खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 210 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक भी पहुंचा, लेकिन इस स्तर पर भी ये टिक नहीं सका। मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इसका अपर सर्किट भी ब्रेक हो गया। बाजार में लगातार जारी खरीद विक्री के बीच दोपहर 12:15 बजे तक का कारोबार होने के बाद ये शेयर 207.10 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक प्रति शेयर 10.10 रुपये यानी 5.13 प्रतिशत के फायदे में थे। इस कंपनी का 55.08 करोड़ रुपये का आईपीओ 29 सितंबर से एक अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था।

गोयल ने अमेरिकी कंपनियों को भारत में निवेश के लिए आने का दिया न्योता

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अपनी अमेरिका की यात्रा के दौरान न्यूयॉर्क में कई प्रमुख अमेरिकी कंपनियों के शीप अधिकारियों के साथ बैठकें की। गोयल ने इस बैठकों के दौरान उन्हें भारत में निवेश एवं कारोबार के अवसर तलाशने के लिए आमंत्रित किया है। अमेरिका के दौरे पर गए गोयल ने इस सप्ताह न्यूयॉर्क में अग्रणी अमरीकी कंपनियों के कई वरिष्ठ नेताओं के साथ भारत-अमेरिका व्यापार को सुदृढ़ करने के अवसरों पर चर्चा करने और शीप अमेरिकी कंपनियों को भारत में निवेश करने के लिए अवसरों का पता लगाने के लिए आमंत्रित करने के लिए कई बैठकें कीं। गोयल ने ब्लैकस्टोन के अध्यक्ष एवं मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) जोनाथन ग्रे और ब्लैकस्टोन के अंतरराष्ट्रीय निजी इक्विटी कारोबार के चेयरमैन प्रकाश मेलवान्नी से मुलाकात की। इस बैठक में भारत में ब्लैकस्टोन के निवेश तथा विभिन्न क्षेत्रों में साझेदारी को और विस्तार



देने पर चर्चा हुई। गोयल ने न्यूबर्ग बर्मन के चेयरमैन और सीईओ जॉर्ज वॉकर और उनकी नेतृत्व टीम के वरिष्ठ सदस्यों से मुलाकात की। चर्चा में निवेश संबंधों को गहरा करने और वित्तीय एवं धन प्रबंधन सेवाओं में भागीदारी को सुदृढ़ करने के अवसरों पर विचार-विमर्श किया गया। द एस्टी लांडर कंपनीज के अध्यक्ष और सीईओ स्टीफन डी ला फ्रेवरी से मुलाकात में उन्होंने भारत में विकास के अवसरों पर चर्चा की, जिसमें विनिर्माण और सोर्सिंग में वृद्धि के माध्यम से विकास के अवसर और भारत के बढ़ते ब्यूटी एंड पर्सनल केयर मार्केट शामिल हैं। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक आईबीएम के चेयरमैन और सीईओ अरविंद कृष्णा के साथ हुई उनकी

मुलाकात में भारत में आईबीएम की भागीदारी को और सुदृढ़ करने तथा एआई, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, क्वांटम कंप्यूटिंग और अन्य उभरती प्रौद्योगिकियों में सहयोग का विस्तार करने पर चर्चा केंद्रित रही। मेटलाइफ के अध्यक्ष और सीईओ मिशेल ए. खलाफ के साथ बैठक में चर्चा का केंद्र भारत में कंपनी के विकास के अवसरों और बीमा एवं वित्तीय सेवा सेक्टर के विस्तार पर रहा। गोयल ने जनरल अटलांटिक के चेयरमैन और सीईओ विलियम ई. फोर्ड से मुलाकात में भारत के साथ कंपनी के निवेश एवं व्यापारिक संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करने के अवसरों पर चर्चा की। उन्होंने एआईए ग्रुप के गैर-कार्यकारी अध्यक्ष मार्क टकर से भी मुलाकात की।

ग्रीन एशिया इंपेक्स ने निवेशकों को दिया झटका, सपाट लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रोजन झींगा और सूखी मिर्च का कारोबार करने वाली कंपनी ग्रीन एशिया इंपेक्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट ने सपाट स्तर पर एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। निवेशकों को तब और झटका लगा, जब कंपनी के शेयर गिर कर लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 89 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी बदलाव के 89 रुपये के स्तर पर ही हुई। सपाट लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से इस शेयर की चाल में गिरावट का रुख बन गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण थोड़ी देर में ही ये शेयर लुढ़क कर 84.55 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक



पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 4.45 रुपये यानी पांच प्रतिशत का नुकसान हो गया। कंपनी का 59.34 करोड़ रुपये का आईपीओ 24 सितंबर से एक अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीफा रिसॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.04 गुना सप्सक्राइब हो सका था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के

लिए रिजर्व पोशन 2.06 गुना सप्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोशन में सिर्फ 65 प्रतिशत सप्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोशन भी सिर्फ 55 प्रतिशत सप्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 66,67,200 शेयर जारी किए गए हैं। इनमें लगभग 52 करोड़ रुपये के 58,94,400 नए शेयर जारी हुए हैं, जबकि लगभग सात करोड़ रुपये के 7,72,800 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आजीपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नए सीपूड प्रोसेसिंग फैसिलिटी का सेंटअप करने, मशीनों की खरीदारी करने जुटने कर्ज को कम करने, आईपीओ से जुड़े खर्च की भरपाई करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

दृश्यम 3 की धाकड़ कमाई से थरिया बॉक्स ऑफिस, 200 करोड़ कमाने के करीब पहुंची



अजय देवगन की नई फिल्मों और आने वाले प्रोजेक्ट्स पर ताजा अपडेट

अजय देवगन की फिल्म दृश्यम : द कव्लूजन ने बॉक्स ऑफिस पर गंदर मचा रखी है। यह एक्शन-थ्रिलर अभिनेता के करियर की अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग बनकर सामने आई और इसने कई बड़ी फिल्मों के रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया है। अभिषेक पाठक द्वारा निर्देशित इस फिल्म ने भारत में 150 करोड़ रुपये से ज्यादा का आंकड़ा पार लिया है। यह 200 करोड़ के क्लब में दाखिल होने से कुछ कदम दूर है। आइए देखें फिल्म का ताजा कलेक्शन। सैकमलिक के मुताबिक, दृश्यम : द कव्लूजन ने रिलीज के तीसरे दिन (रविवार) 61 करोड़ रुपये कमाए हैं। पहले दिन 62 करोड़ से ओपनिंग लेकर इसने दूसरे दिन (शनिवार) 53.50 करोड़ कमाए थे, जिसके बाद फिल्म का कुल नेट कलेक्शन 176.50 करोड़ रुपये हो गया है। विदेशों में, फिल्म ने तीसरे दिन 20 करोड़ कमाए, जिससे इसकी कुल विदेशी कमाई अब तक 61 करोड़ हो गई है। इसके साथ ही वैश्विक कुल कलेक्शन 272.80 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। दृश्यम : द कव्लूजन ने इस साल रिलीज हुई टॉक्सिक (55 करोड़) बॉर्डर 2 (30 करोड़) और मिर्जापुर : द मूवी (25.50) करोड़ का ओपनिंग रिकॉर्ड ध्वस्त किया है। खुद अजय अपनी पिछली फिल्मों सिमम अगेन (43.50 करोड़) और ताहजी : अनसंग वॉरियर (15.10 करोड़) के ओपनिंग कलेक्शन को पीछे छोड़ चुकी है। फिल्म में तब्बू, श्रिया सरन, जयदीप अहलावत, प्रकाश झा, इशिता दाता जैसे कलाकार भी हैं।

बॉलीवुड सुपरस्टार अजय देवगन इन दिनों लगातार अपनी दमदार परफॉर्मेंस और बेहतरीन फिल्मों के चयन को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। बॉक्स ऑफिस पर अपनी जबरदस्त पकड़ बनाए रखने के बाद अब अभिनेता अपनी आने वाली कई बड़ी और बहुप्रतीक्षित फिल्मों की तैयारियां में पूरी तरह जुट गए हैं। भारतीय सिनेमा में एक सफल अभिनेता और निर्देशक के रूप में पहचान बना चुके अजय देवगन आने वाले समय में दर्शकों के लिए एक्शन, ड्रामा और सस्पेंस का नया दौर लाने वाले हैं। फिल्म गलियारों में चल रही खबरों के मुताबिक, अजय देवगन जल्द ही एक बड़े पैमाने पर बनने वाली पौरियड-ड्रामा फिल्म की शूटिंग शुरू करने जा रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन देश के जाने-माने फिल्मकार कर रहे हैं। इस प्रोजेक्ट में अजय एक नए और ऐतिहासिक किरदार में नजर आएंगे, जिसके लिए उन्होंने अपनी शारीरिक फिटनेस और लुक्स पर काम करना भी शुरू कर दिया है। इसके अलावा, उनकी चर्चित फ्रेंचाइजी 'रेड 2' और एक अनटाइटल्ड थ्रिलर फिल्म को लेकर भी तैयारियां अंतिम चरण में हैं। इंटरप्री से जुड़े सूत्रों का कहना है कि इन फिल्मों में दर्शकों को उनका एक बिल्कुल अलग और अनोखा अंदाज देखने को मिलेगा। अजय न केवल एक बेहतरीन अभिनेता हैं, बल्कि निर्देशन के क्षेत्र में भी अपनी काबिलियत साबित कर चुके हैं। खबर है कि वे जल्द ही अपने बेनर 'अजय देवगन एफफिल्म्स' (ADFF) के तहत एक और महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का निर्देशन करने की योजना बना रहे हैं। यह फिल्म आधुनिक दौर के रिशतों और एक्शन पर आधारित होगी, जिसमें वे नए और उभरते कलाकारों को भी मौका दे सकते हैं। सिनेमाप्रियों के बीच अजय देवगन की आने वाली फिल्मों को लेकर काफी क्रेज देखने को मिल रहा है। सोशल मीडिया पर उनके फैंस उनकी अगली घोषणाओं का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ट्रेड एनालिस्ट्स का मानना है कि अजय देवगन का कंटेंट-संचालित (content-driven) फिल्मों और बड़े बजट के मनोरंजन का संतुलन ही उन्हें इंटरप्री के सबसे भरोसेमंद सितारों में से एक बनाता है।

‘कॉमरेड कल्याण 9 अक्टूबर को होगी रिलीज विद्रोही अंदाज में नजर आएंगे श्री विष्णु

स अभिनेता श्री विष्णु को मनोरंजन जगत में अपनी अलग शैली और हास्य से दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए जाना जाता है। अब वह एक नई फिल्म 'कॉमरेड कल्याण' के साथ दर्शकों के बीच आने की तैयारी में हैं। जानकीराम मारेल्ला के निर्देशन में बन रही इस फिल्म की शूटिंग तेजी से चल रही है। फिल्म को लेकर पहले से ही दर्शकों में उत्सुकता बनी हुई है और हाल ही में जारी किए गए गीत 'एथारा एथु' ने इस उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। फिल्म के निर्माताओं ने अब इसकी प्रदर्शन तिथि की आधिकारिक घोषणा कर दी है। 'कॉमरेड कल्याण 9 अक्टूबर को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। घोषणा के साथ ही निर्माताओं ने फिल्म का नया पोस्टर भी जारी किया है। पोस्टर में श्री विष्णु हाथ में लाल झंडा लिए विद्रोही अंदाज में नजर आ रहे हैं। उनके इस रूप को देखकर फिल्म की कहानी और उनके किरदार को लेकर दर्शकों की दिलचस्पी बढ़ गई है। फिल्म में अभिनेत्री मालविका मोहनन मुख्य महिला भूमिका में हैं। इसके अलावा राधिका सरथकुमार, शाइन टॉम चाको और उषेन्द्र लिमये भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी वर्ष 1990 के दशक में आंध्र प्रदेश और ओडिशा की सीमा से जुड़े इलाके की पृष्ठभूमि पर आधारित बताई गई है। ऐसे में फिल्म में उस दौर के सामाजिक और राजनीतिक माहौल को झलक भी देखने को मिल सकती है। 'कॉमरेड कल्याण का निर्माण वेंकटा कृष्णा करनाती और सीता



करनाती ने किया है, जबकि फिल्म को कोना वेंकट ने प्रस्तुत किया है। निर्देशक जानकीराम मारेल्ला के निर्देशन में तैयार हो रही इस फिल्म को लेकर निर्माताओं ने इसे मनोरंजन के साथ एक अलग पृष्ठभूमि वाली

कहानी के रूप में पेश करने की तैयारी की है। अब 9 अक्टूबर को फिल्म के सिनेमाघरों में पहुंचने के साथ यह देखना दिलचस्प होगा कि श्री विष्णु का विद्रोही अंदाज दर्शकों को कितना पसंद आता है।

मान पन्नू का नया गाना ‘आई मेट हर अवेन’ रिलीज

सिंसिंगर-सॉनराइट्स मान पन्नू का नया गाना 'आई मेट हर अवेन' रिलीज हो गया है। गाने में रिश्ते के खत्म होने के बाद उससे जुड़ी यादों, भावनात्मक उथल-पुथल और धीरे-धीरे खुद को स्वीकार करने के सफर को गीत के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। मान पन्नू के अनुसार, यह गाना उस दौर को दर्शाता है, जब व्यक्ति बीते रिश्ते से जुड़े सवाल और जवाबों की तलाश छोड़कर अपनी जिंदगी में आगे बढ़ना सीखता है। गाने में पुरानी यादों के साथ अकेलेपन को स्वीकार करने और अपनी दुनिया में सुकून तलाशने की भावनाओं को जगह दी गई है। मान ने कहा, " 'आई मेट हर अवेन' उस पड़ाव के बारे में है, जहां आपको एहसास होता है कि आपने खुद को फिर से खोजना शुरू कर दिया है। दिल टूटने के बाद धीरे-धीरे अपने



अकेलेपन के साथ खुश रहना सीखते हैं। पुरानी यादें रहती हैं, लेकिन वे पहले की तरह दर्द नहीं देती।" गाने का म्यूजिक वीडियो पहाड़ों की प्राकृतिक पृष्ठभूमि पर फिल्माया गया है। वीडियो में गाने की भावनात्मक कहानी को सिनेमाई दृश्यों

के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। मान पन्नू इससे पहले 'आई एम इन', 'मैं बेजुबां', 'बरखा' और 'द लास्ट लेटर' जैसे गाने रिलीज कर चुके हैं। उनके गीतों में प्यार, रिश्तों और आत्म-खोज जैसे विषय प्रमुखता से दिखाई देते हैं।



अनुपमा के साथ दो साल पूरे करना मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि, इशिता दीक्षित ने साझा किए अनुभव

धा धारावाहिक अनुपमा में पिछले दो साल से परी का किरदार निभा रही अभिनेत्री इशिता दीक्षित ने कहा कि यह उनके लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि और खास पल है। इशिता ने कहा, अनुपमा जैसे बड़े शो के साथ दो साल पूरे करना मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि और एक अहम माइलस्टोन है। मैं बहुत शुक्रगुजार और खुश हूँ। राजन शाही सर की हमेशा आभारी रहूंगी कि उन्होंने मुझे यह मौका दिया, क्योंकि अनुपमा के बाद मेरी जिंदगी पूरी तरह बदल गई और यही सच है। इशिता ने कहा कि जब उन्होंने परी का किरदार निभाना शुरू किया था, तब वह बहुत अलग थी और अब वह लड़की बहुत बदल गई है। इशिता ने कहा, इस सफर में मैंने बहुत कुछ सीखा है। दो सालों में मैंने जो ग्रोथ दिखाई है, उससे मैं सच में खुश हूँ। आज मैं बिल्कुल अलग महसूस करती हूँ, न सिर्फ परी के तौर पर, बल्कि अपनी कला और एक एक्टर के तौर पर भी मैंने बहुत सी चीजें सीखी हैं और जब आप सेंट पर इतने सारे सीनियर एक्टर्स के साथ काम करते हैं, तो आप उन्हें देखकर, उनके काम करने के तरीके को समझकर और उनके साथ सीन करके लगातार सीखते रहते हैं। इशिता ने बताया, यह मेरे लिए बहुत शानदार अनुभव रहा है और मुझे उम्मीद है कि यह ऐसे ही चलता रहेगा। देखते हैं कि परी और मैं कब तक साथ रहते हैं, लेकिन सच कहूँ तो, मैं चाहूंगी कि यह सफर लंबा चले क्योंकि मैं अधिक से अधिक समय तक परी का किरदार निभाना चाहती हूँ। इशिता ने कहा, अब तक, वह (परी) मेरी जिंदगी का हिस्सा बन चुकी है। जब आप इतने सालों तक कोई किरदार निभाते हैं, तो कभी-कभी आप भूल जाते हैं कि असल जिंदगी क्या है और रील लाइफ क्या। पहले, हर इंटरव्यू में मैं कहती थी कि परी और मुझमें कोई समानता नहीं है। लेकिन दो साल बाद, मुझे लगा है कि हममें काफी समानताएं आ गई हैं। एक्ट्रेस ने अपनी बात खत्म करते हुए कहा, कहीं न कहीं, मेरे असली रूप और परी के बीच का फर्क मिटने लगा है क्योंकि मैं इतने लंबे समय से उसके साथ रही हूँ। कुछ ऐसी चीजें हैं जो वह करती है या जिन भावनाओं से वह गुजरती है, उन्हें देखकर अब मुझे लगता है, शायद मैं भी थोड़ी-बहुत परी जैसी हूँ।



फिल्म ‘पहला प्यार दूसरी बार’ का नया गाना ‘पुराने दिन’ हुआ रिलीज, म्यूजिक कंपोजर रोचक कोहली ने शेयर कीं यादें

इं इंडियन सिनेमा में नए चेहरों के स्पॉटलाइट में आने के साथ उत्सुकता से भरी ताजगी की लहर देखने मिल रही है . इस पल को लीड करते हुए लव फिल्म्स अपनी यूथफुल रोमांटिक कॉमेडी पहला प्यार दूसरी बार लेकर आ रहा है . अलीशा चोपड़ा, स्पर्श वालिया, साक्षी वैद्य, कुणाल वैद, सरगुन कौर लूथरा और तुषार छिब्रर जैसे नए एक्टर्स की मौजूदगी वाली इस फिल्म को डेब्यूटेंट डायरेक्टर अनुज सैनी ने डायरेक्ट किया है, जबकि लव रंजन द्वारा को -प्रोड्यूस किया गया है . यह फिल्म देशभर में 23 अक्टूबर 2026 को सभी सिनेमा घरों में रिलीज होने वाली है . दर्शकों के बीच हल्की फुल्की उत्तल-पुथल के साथ मॉडर्न लव, फ्रेंडशिप और रिलेशनशिप की झलक देखने के लिए उत्साह का माहौल बना हुआ है . हाल ही में मेकर्स द्वारा रिलीज किए गए दिलचस्प ट्रेलर को दर्शकों का जबरदस्त रिसपॉन्स मिला है, इसके साथ ही सभी को इसमें मौजूद एनर्जी, नॉकऑक और टोन रिलेटेबल लग रहा है . फिल्म को लेकर बढ़ रही एक्साइटमेंट के बीच में मेकर्स ने हाल ही में यादगार ट्रैक पुराने दिन को सोशल मीडिया पर रिलीज कर दिया है, जिसे अब खूब पसंद किया जा रहा है . इस गाने को सौनू के टीटू की स्वीटी



के मशहूर गाने तेरा याद हूँ मैं के हिट म्यूजिक टीम ने आकार दिया है . ऐसे में पुराने दिन को रोचक कोहली ने कंपोज किया है, अरिजीत सिंह ने गाया है, जबकि लिरिस्टिक कुमार ने बोल लिखे हैं और लव रंजन ने प्रोड्यूस किया है . एक साथ आते हुए इन सभी ने एक और इमोशनल और दिल छू लेने वाला फ्रेंडशिप एंथम बना दिया है, जो दर्शकों द्वारा बेहद पसंद किया जा रहा है . ऐसे में, पुरानी यादों गाने को एक कदम और आगे ले जाते हुए, हाल ही में

कंपोजर रोचक कोहली ने अपने सोशल मीडिया पर फैंस संग कुछ खास पल शेयर करते हुए बातचीत की . इस दौरान उन्होंने अपने शुरुआती दिनों को याद किया . रोचक ने एक खास पुराना वीडियो पोस्ट किया जिसमें उनके साथ एक्टर आयुष्मान खुराना जो कि उनके पुराने दोस्त हैं अपने अन्य बचपन के दोस्तों के साथ नजर आ रहे हैं . बहुत से लोगों को इस बात की जानकारी नहीं होगी की रोचक और आयुष्मान स्कूल के दिनों में एक साथ थे, जो कि उनके इस बॉन्ड को और खास बनाता है . गाने के सेंटीमेंट को कैद करते हुए, रोचक ने पोस्ट शेयर करते हुए एक रिलेटेबल कैप्शन लिखा है, पुराने दिन, पुराने दिन एक साथ बिताए गए हंसी के पल, देर रात की गई बातें, और स्कूल की यादों की गर्माहट को बिल्कुल सही ढंग से कैप्चर करता है, जो हमेशा हमारे साथ रहती हैं . अरिजीत सिंह की दिल छू लेने इकला आवाज के साथ रोचक कोहली की खूबसूरत मेलोडी मिलकर, इस ट्रैक को तेजी से साल का अल्टीमेट फ्रेंडशिप एंथम बना रहा है . लव रंजन और अंकुर गर्ग द्वारा को-प्रोड्यूस, पहला प्यार दूसरी बार यूथ, प्यार, और टुगेदरनेस की एक फ्रेश, रिलेटेबल कहानी का वादा करती है .

अपनी दिनचर्या में शामिल करें ये पांच छोटी-छोटी आदतें, पूरे हफ्ते होगा कम तनाव



अ अत्यवस्था से भरे सप्ताह को संभालना कभी-कभी काफी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। खासकर जब काम का बोझ और जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं। ऐसे में कुछ छोटी-छोटी आदतें आपके जीवन को थोड़ा आसान और व्यवस्थित बना सकती हैं। ये आदतें न केवल आपके मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाएंगी, बल्कि आपको अधिक उत्पादक भी बनाएंगी। आइए आज हम आपको 5 ऐसी आदतें बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपने सप्ताह को कम अव्यवस्थित बना सकते हैं। सुबह की सही शुरुआत आपके पूरे दिन को प्रभावित कर सकती है। उठते ही सबसे पहले पानी पिएं, फिर कुछ मिनट योग या ध्यान करें। इससे आपका मन शांत रहेगा और आप अधिक ऊर्जा से भरपूर महसूस करेंगे। इसके बाद नाश्ते के लिए सेहतमंद खाने का सेसन करें। सेहतमंद नाश्ते से आपकी ऊर्जा का स्तर

बढ़ेगा और आप पूरे दिन तरोताजा महसूस करेंगे। इसके अलावा सुबह की नियमित कसरत भी आपके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। अपने सभी कामों की एक सूची बनाएं और उन्हें प्राथमिकता दें। सबसे जरूरी और तुरंत करने वाले कामों को पहले करें, फिर कम जरूरी वाले काम करें। इससे आपका ध्यान भटकना नहीं आएगा और आप अधिक उत्पादक रहेंगे। प्राथमिकता देने से आपको यह भी पता चलेगा कि कौन-से काम ज्यादा समय ले रहे हैं और उन्हें कैसे बेहतर तरीके से किया जा सकता है। इससे आप अपने समय को सही उपयोग कर पाएंगे और अव्यवस्था से बच सकेंगे। काम करते समय छोटे-छोटे ब्रेक लेना बहुत जरूरी है। लगातार काम करने से थकान होती है और आपकी उत्पादकता कम हो जाती है। हर 1-2 घंटे बाद 5-10 मिनट का ब्रेक लें। इस दौरान थोड़ा टहलें, गहरी सांस लें या कुछ हल्की कसरत करें। इससे आपका मन तरोताजा रहेगा और आप फिर से ताजगी के साथ काम कर पाएंगे। ब्रेक लेने से आपकी ऊर्जा बनी रहेगी और आप

अधिक प्रभावी तरीके से काम कर सकेंगे। करें डिजिटल डिटॉक्स : आजकल हम सभी तकनीक पर निर्भर रहते हैं, लेकिन ज्यादा स्क्रीन टाइम भी अव्यवस्था का कारण बन सकता है। सप्ताह के अंत पर अपने फोन और कंप्यूटर से थोड़ी दूरी बनाएं। कोशिश करें कि दिनभर में कुछ घंटे बिना किसी तकनीक के बिताएं। इस दौरान किताब पढ़ें, बाहर टहलें या परिवार के साथ समय बिताएं। इससे आंखों को आराम मिलेगा और मन भी शांत रहेगा। डिजिटल डिटॉक्स से आप अपनी रचनात्मकता बढ़ा सकते हैं और मानसिक शांति पा सकते हैं। अव्यवस्था से भरे सप्ताह पर खुद के लिए समय निकालना बहुत जरूरी है। चाहे वह कोई शौक हो, फिल्म देखना हो या किसी दोस्त से मिलना हो, ऐसा कुछ करें जो आपको खुशी दे। इससे न केवल आपका मन खुश रहेगा, बल्कि आपकी ऊर्जा भी फिर से भर जाएगी। खुद के लिए समय निकालने से आप अपने जीवन में संतुलन बनाए रख सकते हैं और मानसिक शांति पा सकते हैं।



ECL Sets Up E-Waste Kiosks Under Special Campaign 6 Drive



DB Reporter

Sanctoria (Asansol, West Bengal): Eastern Coalfields Limited (ECL) has stepped up efforts to promote responsible e-waste management under Special Campaign 6 by organising awareness programmes and establishing dedicated e-waste kiosks at its headquarters and various operational areas.

The initiative at ECL Headquarters received support from Director (HR) Gunjan Kumar Sinha, Director (Technical/P&P) Girish

Gopinathan Nair, Director (Technical/Operations) Chitrnanjan Kumar and Nodal Officer for Special Campaign 6 Nazrul Islam. Heads of departments at the headquarters and general managers from different areas also participated in the initiative. As part of the campaign, awareness camps and e-waste collection boxes have been established at the headquarters and operational areas. Employees are being encouraged to collect and segregate electronic waste and ensure its disposal through authorised channels.

'Beyond limits': Ex-CJI Gavai, former judges slam SC judge Ujjal Bhuyan's remarks amid EC-SIR row

New Delhi, Agency: Former Chief Justice of India BR Gavai and other retired judges on Monday condemned Supreme Court judge Justice Ujjal Bhuyan's remarks on the Election Commission.

Gavai said that a sitting judge should not have made comments on the ongoing row over the Special Intensive Revision of electoral rolls as the matter is sub judice before the top court.

"Judicial propriety would not permit him to make any comment on the matter which is sub judice before the court," Gavai told news agency media.

Retired Delhi high court judges SN Dhingra and RS Sodhi also questioned Bhuyan's remarks.

Justice Dhingra said Bhuyan's statement was "way beyond the limits of a sitting top court judge" and such comments should not be made at a public event when the issue is pending before the same court.

"He should have thought a thousand times before making such a statement," Dhingra said, adding that Justice Bhuyan did not know the full facts of the issue.



Justice R S Sodhi also criticised Justice Bhuyan for calling the SIR exercise disenfranchisement and said that the right to vote was governed by the statutory framework.

"Whether you have a vote or you don't have a vote depends upon the statute. If you fall within the parameters of the statute, you have a vote. If you don't fall within the parameters of the statute, you don't have a vote," Justice Sodhi said.

"I mean, these hardline thinking and these hardline statements, to my mind, are not a very mature way of looking at a thing, especially when you are supposed to be in a field which is supposed to be excellent in its rationalising," he said.

What Bhuyan had said This comes a day after Justice Bhuyan said that any process that "disenfranchises" millions of Indian citizens was "intrinsically arbitrary" and a "negation" of the constitutional order.

While delivering the valedictory address at the 19th Justice Bodh Raj Sawhney Memorial Moot Court Competition at NALSAR University of Law on Sunday, Justice Bhuyan said that the Constitution does not provide for two classes of citizens, one with voting rights and the other without voting rights, and no amount of "whataboutery" could justify such a process.

"If any process results in disenfranchising millions and millions of Indian citizens

making them second class citizens in their own country in the sense of being citizens without voting rights, such a process is intrinsically arbitrary. No amount of whataboutery can justify it. It strikes at the very heart of the Constitution and I would go to the extent of saying that it is a negation of the constitutional order which we have adopted under the Constitution of India," Bar and Bench quoted Justice Bhuyan as saying.

He said the Constitution does not create two classes of citizens based on voting rights and added that wholesale disenfranchisement would violate Articles 326 and 14.

"No authority can do it; no court can condone it. No one is above the Constitution," he said. This is not the first time that Justice Bhuyan has put forth his views on issues being discussed in the public domain. Recently, NALSAR Hyderabad was in the news after a section of its students wrote to the vice chancellor, registrar and professors of the institution, opposing any proposal to invite Chief Justice of India Surya Kant as chief guest to the varsity's convocation.

Chirag Paswan's UP gamble: Why PM Modi's 'Hanuman' is flexing his muscle against allies

New Delhi, Agency:Chirag Paswan once described himself as Prime Minister Narendra Modi's "Hanuman". Six years later, the LJP (Ram Vilas) chief offered another approach of his politics: "I can stand up to my government ... I am in the alliance but I am not the BJP."

This distinction becomes relevant as he prepares to take his party into the 2027 Uttar Pradesh assembly election. LJP(RV) has announced that it will contest the polls and is preparing for all 403 constituencies, while leaving open whether it will eventually contest alone or as part of an alliance.

The UP move comes after a significant change in Chirag Paswan's political position. In



2020, the undivided LJP broke with the NDA in Bihar, contested 135 seats and targeted Nitish Kumar's JD(U), while maintaining its support for PM Modi. Its slogan captured the strategy: "Modi se bair nahi, Nitish teri khair nahi." The party won only one seat, but its 5.66% vote share had a measurable impact on the results.

Since then, LJP(RV) has moved from being a marginal alliance partner to a more con-

sequential NDA component. It won all five Lok Sabha seats it contested in Bihar in 2024, giving Chirag Paswan a 100% strike rate, and in the 2025 assembly election it contested 29 seats under the NDA arrangement and won 19. The BJP and JD(U) contested 101 seats each, while LJP(RV) secured 29.

That progression provides the context for the 403-seat announcement. Chirag Paswan

now has five Lok Sabha MPs, 19 MLAs in Bihar and a Union cabinet position. The question is whether that political weight can be extended beyond Bihar.

The 403-seat gamble: The latest phase of the UP push took shape in September, when Paswan launched his party's youth outreach in Prayagraj. At the "Youth Bole Toh" programme, he spoke about education, employment, skills and greater youth participation in politics, and announced plans for a National Youth Commission.

On September 28, he made the electoral plan explicit: "There is no doubt that LJP (Ram Vilas) will contest the 2027 Uttar Pradesh assembly elections."

Muslim outreach or message to Akhilesh Now Imran Masood's 'elevation' will test Congress-SP alliance in UP

New Delhi, Agency: The new Congress team in Uttar Pradesh has a daunting challenge at hand: to revive the fortunes of the grand-old-party in the 2027 assembly elections. But before the big political test early next year, there is a pressing concern at hand: the alliance dynamics. And to that extent, the Congress appointments send a mixed signal to ally Samajwadi Party.

The appointment of MLA Aradhana Misra-Mona, who is perceived close to SP chief Akhilesh Yadav, as the new state chief signals the willingness of the Congress for an amicable seat-sharing discussions. But the simultaneous elevation of Imran Masood, a known critic of Samajwadi Party's "big brother attitude", raises obvious questions about the Congress's intent vis-a-vis its ally.

So, how will this contradiction play out when the two parties sit on the table to decide the contours of their alliance? More so, as there is already an open war of words between the leaders of the two parties over the seat share. Congress leaders have insisted that division of seats



should be based on "respect and equality." Aradhana Misra-Mona acknowledges that with the 2027 state elections only a few months away, she would have to hit the ground running as her party seeks to regain political space it has steadily lost in the state since 1989.

Masood's strong remarks To understand why Imran Masood's high-profile appointment may have caused some unease, here's a look at some of the statements he has made in the recent past.

June In a video on X Imran Masood said that the Congress will no longer accept the formula that SP had applied in 2024 Lok Sabha polls and that the party was preparing to contest 2027 assembly polls on 200 seats in UP.

Probe sex assault case against Nagina MP Chandrashekhar Azad, court directs Delhi cops

New Delhi, Agency: A Delhi court has issued a notice to DCP, IGI airport, directing that an inquiry into a sexual assault complaint against Nagina MP Chandrashekhar Azad be completed and the report be filed by the next date of hearing, after rejecting Delhi Police's request for more time.

The court of additional chief judicial magistrate Neha Mittal listed the matter for further hearing on Oct 23.

The complainant has accused Azad of raping her on the pretext of marriage. Alleging that police failed to register an FIR, she had approached the court seeking a direction for registration of a case against Azad. During earlier proceedings, the court issued a notice to Delhi Police and asked for a status report.

Police submitted a status report detailing the progress of the inquiry



conducted so far. However, they sought an additional two to three months to conclude the preliminary probe. The complainant opposed the police plea for more time.

The judge noted in the order that "since the offence alleged in the present application is punishable with life imprisonment, section 173(3) BNSS does not apply and hence, there is no scope for conducting preliminary inquiry". Section 173(3) allows police to conduct a preliminary inquiry before registering an FIR for offences that carry a jail term of three to under seven years.

India, Switzerland eye deeper ties in trade, investment, tech

New Delhi, Agency: India and Switzerland looked to deepen cooperation in trade and investment, technology, defence production and nuclear energy as PM Modi held talks with visiting Swiss President Guy Parmelin. The two countries also signed five agreements, including one for a migration and mobility partnership and another for exchange of young professionals.

Identifying innovation, infrastructure and advanced technology as strong pillars of the bilateral partnership, Modi said India and Switzerland were going to give the rela-



tionship a new momentum and take it to new heights.

The two countries set up a committee to facilitate trade and investment and address trade-related concerns, building upon Trade and Economic Partnership Agreement (TEPA) signed between India and European Free Trade Association (EFTA) countries in 2024. TEPA was India's first FTA with any economic bloc in Europe, as Modi

recalled.

"It is also an ambitious blueprint for investment, innovation, jobs, and shared prosperity. Through this, we aim to achieve the targets of \$100 billion in investment in India and 1 million direct jobs over the next 15 years," said Modi in his media statement.

Key highlights of TEPA included enhanced market access for Indian goods and services, \$100 billion investment commitment over 15 years, creation of 1 million jobs in India and stronger bilateral relations with EFTA nations.

The leaders discussed the

conflicts in Ukraine and West Asia, with the Swiss President welcoming Modi's message to Russian President Vladimir Putin to end the war.

Modi said India and Switzerland believe in democratic values, the rule of law, dialogue and diplomacy and will continue to work together for global peace and stability.

"Whether it is Ukraine or West Asia, India has consistently supported every meaningful effort towards peace," he said, adding that the leaders also agreed that reforms in global institutions are essential to address the growing global challenges.

Rawat seeks meet with Congress brass as Kumari Selja slams his yatra plan

New Delhi, Agency: With return of rumblings in Uttarakhand Congress on the eve of assembly elections, former CM Harish Rawat has sought time with party brass to clarify his "thanksgiving yatra" in the wake of AICC's strong censure.

A terse letter by Kumari Selja, AICC in-charge of state, has dubbed Rawat's yatra as a "parallel programme" that is not in



Congress' interest. She has said the party must put up a "united front" ahead of the polls. Crucially, she also underlined to Rawat that his yatra has neither been approved by her nor by the state president, and he has

made some controversial statements recently.

Sources said Rawat, while going ahead with his yatra, has responded to the letter and urged an appointment. They said a discussion may be held between Rawat and Selja this week, possibly Wednesday or Thursday, after the demonstration against the EC in Dehradun. Rawat's sudden embarking on a yatra has stumped the party as the noto-

riously factionalised state unit has managed to put a united front in recent months. The party brass have been undertaking solo public outreach and holding joint programmes amid strong optimism that Congress is well placed to oust the ruling BJP from power in the hill state.

In the current leadership structure, Rawat has been forced to cede ground to younger leaders.

Visa doesn't create absolute right to enter India, says Delhi High Court

New Delhi, Agency: Delhi High Court has stressed that a foreign national does not have an inherent or legally enforceable right to seek entry into India even if granted a visa. It added the statutory framework does not treat the possession of a visa as creating an absolute and unconditional right of admission into India.

Justice Amit Mahajan observed: "The statutory scheme expressly contemplates circumstances in which, notwithstanding possession of requisite travel documents, a foreigner may not be permitted to enter India on grounds, including considerations relating to national security, sovereignty and integrity of India, relations with a foreign State and public health, besides others specified by central govt."

